संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 337
पृष्ठ 8
शुक्रवार
28 अगस्त 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बादाम और शहद के फेस...

विचार- वंदे मातरम्: राष्ट्रगीत से विभाजन...

खेल- श्रीलंका ने पूरा जोर लगाकर...

युवा एथलीटों से बोले पीएम मोदी

ओलंपिक खेलों में भागीदारी बढ़ानी होगी

नई दिल्ली,एजेंसी। पीएम मोदी ने गुरुवार को 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही। ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ानी होगी। 2036 ओलंपिक के लिए अभी से खिलाड़ी तैयार करें। 15 अगस्त को देश के सामने स्पोर्ट्स विजन रखा। यह सिर्फ मेडल जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत और देश की खेल शक्ति बढ़ाने का अभियान है। मैं हमेशा कहता हूं– जो खेले, वो खिले। आज युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए।

नेशनल स्पोर्ट्स डे और मेजर ध्यानचंद पर– 29 अगस्त को नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है। यह महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद

करने का दिन है। करीब 100 साल पहले भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड गई थी, जिसमें ध्यानचंद भी शामिल थे। भारत–न्यूजीलैंड संबंधों को आज और मजबूत किया जा रहा है।

ओलंपिक में नए खेलों पर– देश के हर जिले में खेल प्रतिभाएं हैं। ओलिंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही है, जबकि दूसरे देश मेडल जीत रहे हैं। भारत को नए खेलों में भी आगे बढ़ना होगा। लंबी समुद्री तटरेखा के बावजूद सर्फिंग में भारत अभी पीछे है।

खेलो इंडिया संवाद पर– सरकार मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। खेलो इंडिया संवाद में युवा खेल, गवर्नेंस और विकसित भारत पर सुझाव दे सकेंगे। उनके विचार देश को आगे बढ़ाएंगे।

स्पोर्ट्समैन स्पिरिट पर– स्वस्थ समाज और मजबूत परिवार के लिए स्पोर्ट्समैन स्पिरिट जरूरी है। खेल हमें चैंपियन के साथ बेहतर प्रतियोगी बनना सिखाते हैं। पैरा एथलीट्स की सफलता समाज और परिवारों में नई उम्मीद जगाती है। शीतल और अवनी लेखरा की उपलब्धि पर– शीतल के आर्चरी मेडल और अवनी लेखरा के दो मेडल ने जम्मू–कश्मीर और देश को गौरवान्वित किया। झंडू कुमार समेत कई पैरा एथलीट प्रेरणा दे रहे हैं। फौजा सिंह ने 100 साल की उम्र के बाद भी फिटनेस की मिसाल पेश की।

स्क्रीन से ज्यादा खेल जरूरी– युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए। हर युवा की भागीदारी भारत की ताकत है। नई तकनीक से खेलों में बदलाव आ रहा है और साइकोलॉजी व न्यूट्रिशन जैसे क्षेत्रों में नए करियर बन रहे हैं। पीएम ने युवाओं से नए अवसर अपनाने और खेलों पर नए विचार देने की अपील की। खेल मंत्री मांडविया बोले– स्टेडियम ही नहीं लोगों की सोच भी बदली

वहीं, खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि पीएम मोदी ने युवाओं को देश का उज्ज्वल भविष्य बताया है। 12 जनवरी को युवाओं के साथ समय बिताने का असर बजट में भी दिखा, जिसे वित्त मंत्री ने यूथ ड्रिवन बताया।

उन्होने कहा कि आज सबसे बड़ा बदलाव स्टेडियम में नहीं, बल्कि लोगों की सोच में आया है।

देश की टॉप 3 इकोनॉमी में यूपी : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार, 27 अगस्त को यूपी स्टार्टअप नीति–2026 का शुभारंभ किया। राज्य के 107 स्टार्टअप्स को 3.42 करोड़ से ज्यादा की प्रोत्साहन राशि दी। 9 ऐसी संस्थाओं (इनक्यूबेटर्स) को भी 1.79 करोड़ बांटे, जो नए स्टार्टअप्स को शुरू करने और आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा– 'उत्तर प्रदेश अब तेजी से बदल रहा है। कभी खराब कानून–व्यवस्था, दंगे और गड्ढों वाली सड़कों के लिए पहचाने जाने वाला यूपी आज देश के बड़े स्टार्टअप हब के तौर पर आगे बढ़ रहा है। अब प्रदेश का युवा नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बन रहा है।

1. स्टार्टअप प्रोत्साहन कार्ड नए और उभरते उद्यमियों को इंसेंटिव कार्ड दिए गए।

2. इंक्यूबेटर्स को आर्थिक मदद– इंक्यूबेटर्स को वित्तीय सहायता दी गई। साथ ही 12 नए इंक्यूबेटर्स को मान्यता दी गई।

3. यू–हब की शुरुआत– प्रदेश में स्टार्टअप का माहौल मजबूत करने के लिए यू–हब की कार्ययोजना सामने रखी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी की करीब 25 करोड़ आबादी को अक्सर चुनौती के तौर पर देखा जाता है, लेकिन सरकार इसे प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत मानती है।

उन्होंने कहा कि यूपी के पास देश की सबसे बड़ी युवा आबादी है। खास बात यह है कि प्रदेश के 24 हजार से ज्यादा स्टार्टअप्स में से करीब आधे स्टार्टअप महिलाएं चला रही हैं।

योगी ने कहा कि सरकार ने 2019 में सिडबी के साथ मिलकर स्टार्टअप फंड शुरू किया था। नई स्टार्टअप पॉलिसी में युवाओं के लिए इंसेंटिव भी बढ़ाए गए हैं।

उन्होंने विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेजों से कहा है कि पढ़ाई सिर्फ किताबों और सिलेबस तक सीमित न रहे। कॉलेजों में रिसर्च और इनोवेशन का माहौल बनाया जाए। इसके लिए सरकार ने विश्वविद्यालयों के रिसर्च फंड में भी बढ़ोतरी की है। योगी ने कहा कि 2017 से पहले यूपी की गिनती देश के पिछड़े यानी 'बीमारू' राज्यों में होती थी। आज प्रदेश देश की टॉप–3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उन्होंने दावा किया कि पिछले 9 साल में यूपी की अर्थव्यवस्था 3 गुना हुई है।

नेपाल की बाढ़ में भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ, हिंडन से राहत सामग्री की दूसरी खेप रवाना

नयी दिल्ली,एजेंसी। नेपाल में बाढ़ और भारी बारिश से पैदा हुए संकट के बीच भारत ने मानवीय सहायता अभियान तेज कर दिया है। भारत ने पड़ोसी देश के लिए राहत सामग्री की दूसरी खेप भेजी है। हिंडन एयरबेस से भारतीय वायुसेना का सी–17 ग्लोबमास्टर विमान दवाइयों, खाद्य पैकेटों, मेडिकल सप्लाई और आपदा राहत से जुड़ा सामान लेकर काठमांडू के लिए रवाना हुआ। भारत इससे पहले भी नेपाल को राहत सामग्री की एक खेप भेज चुका है। भारतीय वायुसेना के मुताबिक, दूसरी उड़ान में करीब 30 से 40 टन राहत सामग्री भेजी गई है। इसमें आवश्यक दवाइयां, खाने के पैकेट और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) से जुड़ा जरूरी उपकरण शामिल है। सी–17 ग्लोबमास्टर के कमांडर कैप्टन एल. नायक ने बताया कि दिल्ली से काठमांडू की उड़ान में करीब एक घंटे 15 मिनट का समय लगेगा। विमान के लिए पर्याप्त ईंधन की व्यवस्था की गई है, ताकि मौसम या अन्य कारणों से काठमांडू में उतरने में देरी होने पर वह कुछ समय तक हवा में रह सके। आपात स्थिति के लिए भारत में दो वैकल्पिक एयरबेस भी तैयार रखे गए हैं। भारत ने बुधवार रात राहत अभियान के तहत सी–130जे हरक्यूलिस विमान से नेपाल को करीब 10 टन राहत सामग्री भेजी थी। यह विमान हिंडन एयरबेस से रात करीब 8.35 बजे काठमांडू के लिए रवाना हुआ और लगभग दो घंटे के भीतर नेपाल पहुंच गया। पहली खेप में दवाइयों, राहत सामग्री और जनरेटर समेत जरूरी सामान भेजा गया था। भारतीय वायुसेना ने बताया कि नागरिक प्रशासन और एनडीआरएफ के सहयोग से कम समय में राहत सामग्री को विमान में लोड किया गया और उसे नेपाल रवाना किया गया। राहत अभियान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से फोन पर बातचीत की थी। दोनों नेताओं के बीच नेपाल में बाढ़ की स्थिति और राहत–बचाव अभियानों को लेकर चर्चा हुई। बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत नेपाल के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है।

जबलपुर में 472 करोड़ से टी–72 टैंकों की ओवरहॉलिंग, सालाना 12 टैंक होंगे अपग्रेड

ड्रोन के दौर में भी टैंक जरूरी : राजनाथ सिंह

जबलपुर,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर (VFJ) में टी–72 टैंक ओवरहॉल प्रोजेक्ट का भूमिपूजन किया। करीब 472 करोड़ रुपए की लागत से यहां इंडियन आर्मी के टी–72 टैंकों की मरम्मत, जांच और तकनीकी अपग्रेड के लिए सुविधा तैयार की जाएगी।

प्रोजेक्ट शुरू होने के बाद जबलपुर में भी सेना के टी–72 टैंकों को लंबे समय तक इस्तेमाल के लिए तैयार किया जाएगा। पहले चरण में यहां हर साल 12 टी–72 टैंकों का पूरा ओवरहॉल और अपग्रेड होगा। इसके लिए आधुनिक प्लांट के साथ टेस्टिंग ट्रैक भी बनाया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा– आज युद्ध का तरीका बदल रहा है। ड्रोन और मिसाइल का इस्तेमाल बढ़ा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि

टैंकों की जरूरत खत्म हो गई है। टैंकों को नई तकनीक, बेहतर सेंसर और नई क्षमताओं से लैस करना जरूरी है। बदलते युद्ध के तरीके के हिसाब से काम कर सकें। मध्य प्रदेश रक्षा उत्पादन और निवेश में महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। 2014 में भारत का घरेलू रक्षा उत्पादन करीब 46 हजार करोड़ रुपए था। अब यह बढ़कर करीब 1.80 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

रक्षा निर्यात करीब 1,000 करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 39 हजार करोड़ रुपए हो गया है। सरकार ने 2028–29 तक रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा करने का लक्ष्य रखा है।

फिलहाल टी–72 टैंकों के ओवरहॉल की मुख्य जिम्मेदारी आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड की हेवी व्हीकल्स फैक्ट्री आवड़ी की है। नई सुविधा बनने के बाद जबलपुर में टैंकों के ओवरहॉल की क्षमता बढ़ेगी।

इससे सेना के जिन T–72 टैंकों को बड़ी मरम्मत या तकनीकी सुधार की जरूरत होगी, उन्हें जल्द दोबारा इस्तेमाल के लिए तैयार किया जा सकेगा।

472 करोड़ की परियोजना शुरू होने से पहले ही व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर ने इसका ट्रायल किया था। फैक्ट्री ने दो T–72 टैंकों का ओवरहॉल पूरा करके भारतीय सेना को सौंपा। इस दौरान टैंकों की तकनीकी जांच की गई। जरूरत के मुताबिक मरम्मत और खराब या पुराने पुर्जों को बदलने का काम किया गया। सेना के तय तकनीकी और गुणवत्ता मानकों के अनुसार इनकी जांच की गई थी। पायलट प्रोजेक्ट सफल होने के बाद जबलपुर में इस काम के लिए स्थायी सुविधा विकसित की जा रही है। ओवरहॉल सिर्फ टैंक की सामान्य सर्विसिंग नहीं है। लंबे समय तक चलने के बाद टैंक के जरूरी हिस्सों की गहराई से जांच और बड़ी मरम्मत की जाती है। इसमें इंजन, ट्रांसमिशन, हथियार सिस्टम, इलेक्ट्रिकल सिस्टम और दूसरे जरूरी हिस्सों की जांच होती है।

नरेला में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय का नया परिसर स्थापित करने में जुटी सरकार: रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) को नरेला में प्रस्तावित शिक्षा केंद्र में एक नया परिसर प्रदान करने की दिशा में काम कर रही है। विश्वविद्यालय में परिचय कार्यक्रम–2026 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रस्तावित परिसर में और अधिक छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगी। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सिर्फ 1,000 नहीं, बल्कि दिल्ली और देश भर से बड़ी संख्या में छात्राएं यहां पढ़ सकें। गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार आईजीडीटीयूडब्ल्यू को नरेला में प्रस्तावित शिक्षा केंद्र में एक नया परिसर प्रदान करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही है। छात्राओं को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा, आज छात्राओं के लिए एक नई यात्रा शुरू हो रही है। एक ऐसी यात्रा जो एक ही समय में

उत्साह और चिंता पैदा कर सकती है। लेकिन मुझे यकीन है कि आज की लड़कियां अपने सपनों को पूरा करने में सक्षम हैं। साल 2013 में स्थापित, आईजीडीटीयूडब्ल्यू एशिया का पहला सरकार द्वारा संचालित महिला तकनीकी विश्वविद्यालय है। उन्होंने कहा कि इसने इस धारणा को चुनौती दी कि तकनीकी शिक्षा पुरुष–प्रधान क्षेत्र है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि हमारी बेटियां सभी क्षेत्रों में नेतृत्व करेंगी। मैं उन्हें अग्रिम बधाई देना चाहती हूं। इस कार्यक्रम में दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और शिक्षा मंत्री आशीष सूद भी मौजूद थे। सूद ने कहा कि आईजीडीटीयूडब्ल्यू ने नवाचार और प्रौद्योगिकी में अपना नाम स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की छात्राओं ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत से करोड़ों रुपये का पैकेज हासिल किया है।

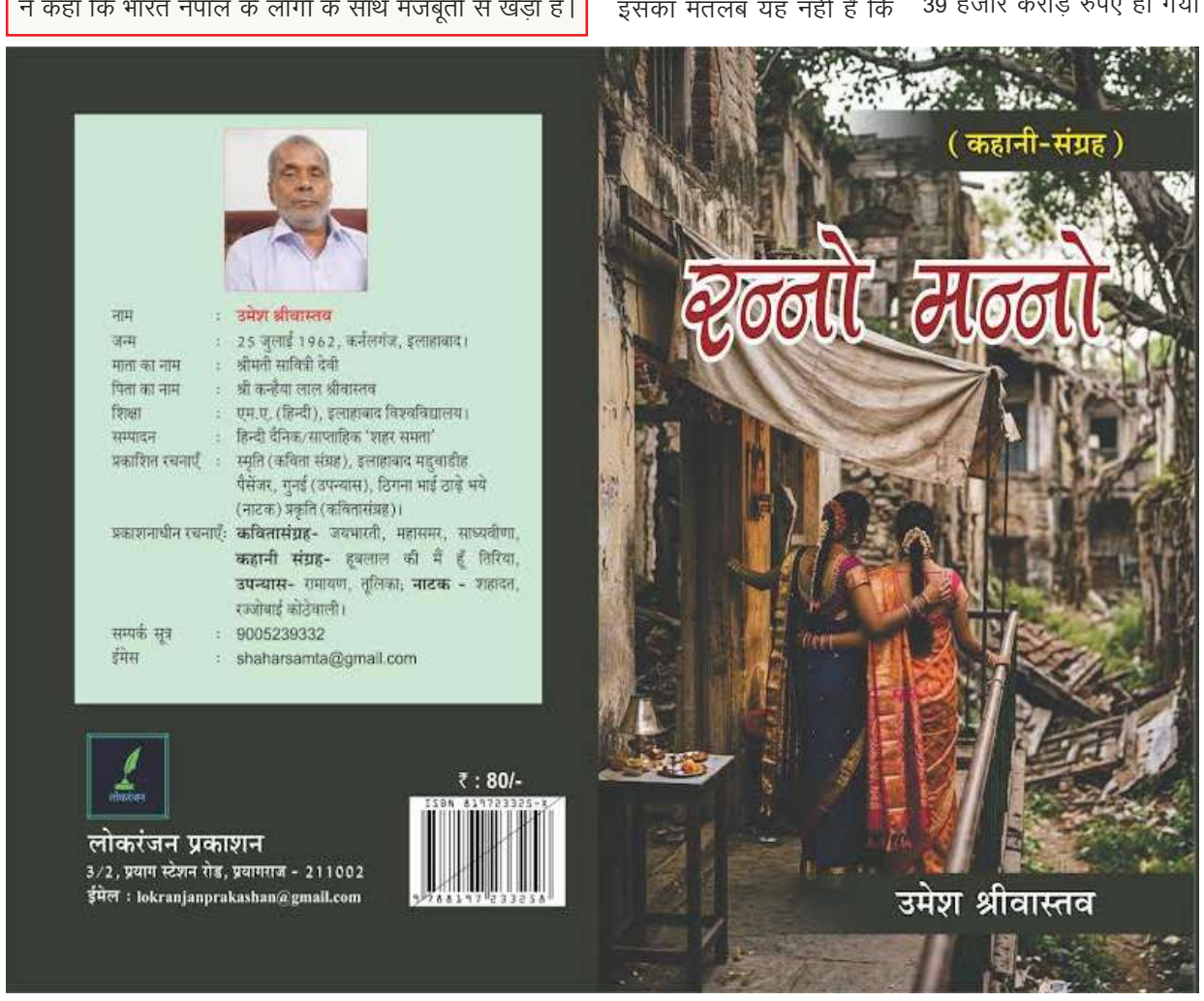

बच्चे ही देश चलाएंगे : एयर चीफ मार्शल

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखपुर शहर से करीब 30किमी दूर माथाबारी गांव में गुरुवार को एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह पत्नी सरिता के साथ पहुंचे। यहां सरस्वती गुरुकुल में फूल बरसाकर उनका स्वागत किया गया। गुरुकुल में बनाई गई लाइब्रेरी का एयर चीफ मार्शल की पत्नी ने शुभारंभ किया।

गुरुकुल के छात्र–छात्राओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के नाटक का मंचन किया। इसमें पहले पहलगाम में आतंकी हमले और फिर भारत की सैन्य कार्रवाई को दिखाया गया। इस दौरान भारत माता की जय के भी जयकारे लगे।

एयर चीफ मार्शल ने कहा– आप बच्चों को जो भी बनाएं, लेकिन सबसे पहले हमें एक अच्छा इंसान बनना है। अगर अच्छा इंसान उन्हें बना पाएंगे तो आगे जाकर वो अच्छा काम करेंगे। सभी के नाम के आगे अगर उसके सपनों का सरनेम है तो उसका मिडिल

नेम इंसान रख दिया जाए। जैसे मोहित इंसान डॉक्टर, अर्पिता इंसान आईएएस।

एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने कहा– जब भी किसी स्कूल में यंग जनरेशन से मिलो तो बहुत खुशी होती है। आप सब लोग देश का भविष्य हैं। यह देश कुछ अच्छा करता है तो भी आपके कारण ही होगा। अच्छा नहीं करता है तो भी आपके कारण होगा। आप सबको बड़े होकर इस देश को चलाना है। बच्चे जब कोई खंभा गाड़ते हैं तो पहले गड्ढा खोदते हैं। फिर खंभा गाड़ने के बाद उसके अगल–बगल कंक्रीट डाला जाता है। उसके सूखने पर खंभे को चाहे जितना हिलाओ, नहीं हिलेगा। क्योंकि, उसकी जड़ मजबूत हो जाती हैं। आज जब आप पढ़ रहे हों, वह आपकी जड़ है। बड़े होकर आप कितने काबिल बनोगे, वह इसी जड़ पर निर्भर करेगा।

एयर चीफ मार्शल ने बच्चों के माता–पिता और शिक्षकों से कहा– देश के बारे में बच्चों को नहीं बताएंगे तो कल जब उन्हें बड़े होने पर यह पता नहीं चलेगा कि हमारा देश क्या है। तब उन्हें आजादी की कीमत नहीं पता चलेगी। इसलिए ये बात बार–बार बताना बड़ों का कर्तव्य है। आज बच्चों को जो सिखाया जा रहा, उसे अच्छे से सीखे। जो टीचर बोलें, घर में माता–पिता बोलें, उसे करना है। आप अभ्यास करोगे तो अच्छा बनोगे।

शुभकामना

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

-सम्पादक

सूचना

रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 30 अगस्त को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

गंगा एक्सप्रेसवे पर एक महीने में पांचवीं बार रिपेयरिंग

प्रयागराज। सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल गंगा एक्सप्रेसवे पर एक महीने के भीतर पांचवीं बार मरम्मत का काम कराए जाने से निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं।

एक्सप्रेसवे पर जगह–जगह गड्ढे और सड़क में दरारें दिखाई दे रही हैं। बुधवार को भी ठेकेदार की ओर से एक लेन को बंद कर मरम्मत का काम कराया जा रहा था।

प्रयागराज के जूड़ापुर दांदू से मेरठ तक करीब 618 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे पर बाइक से लेकर भारी वाहनों तक से टोल लिया जाता है। करोड़ों रुपये की लागत से बने एक्सप्रेसवे पर बार–बार मरम्मत होने से वाहन चालकों में भी नाराजगी है।

आरोप है कि ठेकेदार की ओर से घटिया सामग्री का प्रयोग कर मरम्मतीकरण किया जा रहा है। एक लेन को अचानक बंद कर काम किए जाने से तेज रफ्तार वाहनों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। इससे वाहन चालकों के नाराजगी है। चालकों ने बताया कि इस तरह रास्ता अवरुद्ध कर मरम्मत कराना नियमों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि सड़क पर उचित सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने पर कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

करंट की चपेट में आने से किसान की मौत

प्रयागराज। गांव निवासी सुनील दुबे (40) पुत्र स्व. सीताराम दुबे बुधवार सुबह करीब सात बजे जानवरों को भूसा डालने के लिए घर के बाहर बने पशुबाड़ा गए थे। पशुबाड़ा के पास सुनील करंट की चपेट में आ गया। इससे वह चीखने लगा।

आवाज सुनकर घर के अंदर मौजूद पत्नी किरण और अन्य परिजन दौड़कर बाहर आए। तब तक सुनील तड़प रहा था। परिजन आनन–फानन में उसे नजदीकी निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के दो बेटे दिव्यांशु (16) और भीम (14) का रो–रोकर हाल बेहाल है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक दो भाइयों में बड़ा था। छोटा भाई मुंबई में एक निजी कंपनी में काम करता है। करछना थानाध्यक्ष रणविजय सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव में कई जगह बिजली के तार जमीन पर बिखरे हैं, इसलिए विभाग की अनदेखी के चलते ही हादसा हुआ है। लोगों ने मांग की कि मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और गांव में लटकते व बिखरे तारों को दुरुस्त कराया जाए।

गैस रिसाव से सिलिंडर में लगी आग

प्रयागराज। कसेरूवा कला गांव निवासी राम प्रसाद गुप्ता के घर में बुधवार को खाना बनाते समय गैस रिसाव होने से सिलिंडर में अचानक आग लग गई। घर से आग की लपटें

उठती देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद लगभग एक घंटे में आग पर काबू पाया। हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। पीड़ित परिवार ने बताया कि आग लगने से घर में रखा करीब 50 हजार रुपये का सामान जल गया।

अकीदत के साथ निकाला जुलूस

प्रयागराज। ईद मिलाद–उन–नबी पर बुधवार को अकीदत के साथ जुलूस निकाला गया। लोग नात और सलाम पेश करते हुए मरहबा या रसूल अल्लाह के नारे लगाते हुए निर्धारित मार्गों से गंतव्य तक पहुंचे। वक्ताओं ने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की शिक्षाओं पर चलने का संदेश दिया। सुरक्षा को लेकर पुलिस बल तैनात रहा। खीरी बाजार के साथ ही इटवा और लालतारा में बारावफात का जुलूस निकाला गया। जामा मस्जिद बारा खास में अकीदतमंदों ने

शानो शौकत के साथ जुलूस निकाला। इस मौके पर जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना आलमगीर, हाफिज शकील अशरफी, वसीम अहमद, रईस अहमद, जमील अहमद, फिरोज खान, कलीम अहमद और अनीस अहमद आदि रहे। जसरा में भी जुलूस निकाला गया। मौके पर मुकेश द्विवेदी, हसनैन अहमद, परवेज अहमद, महमूद अहमद, मुराद अहमद आदि रहे।

रक्षाबंधन पर ट्रेनों में बढ़ी भीड़ : त्योहार के बाद घर लौटना चुनौती, दिल्ली–मुंबई की ट्रेनों में सीटें फुल

प्रयागराज। रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के बाद अब लोगों के सामने घर और कामकाज की जगहों पर लौटने की चुनौती है। वापसी के लिए ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। दिल्ली और मुंबई रूट की कई प्रमुख ट्रेनों में सीटें फुल होने से यात्रियों को कन्फर्म टिकट के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस साल रक्षाबंधन के ठीक बाद शनिवार होने के कारण, अधिकांश लोगों ने त्योहार के तुरंत बाद रविवार को वापसी की राह पकड़ने का मन बनाया है। यही वजह है कि प्रयागराज से गुजरने वाली और यहां से शुरू होने वाली अधिकांश प्रमुख ट्रेनों में भारी भीड़ के चलते नो रूम की स्थिति बन गई है।

यात्रियों की सबसे पसंदीदा ट्रेनों में शुमार प्रयागराज एक्सप्रेस और वंदे भारत में टिकटों के लिए मारामारी है। प्रयागराज जंक्शन के रास्ते नई दिल्ली जाने वाली दोनों ही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में 31 अगस्त तक चेयर कार की प्रतीक्षा सूची (वेटिंग लिस्ट) सौ के पार पहुंच चुकी है।

वहीं, प्रयागराज एक्सप्रेस में भी नई दिल्ली के लिए एसी टू थ्री में सीटें पूरी तरह फुल हो चुकी हैं। दिल्ली रूट पर चलने वाली अन्य प्रमुख गाड़ियां जैसे रीवा एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र मेल थ्री में नो रूम है, जबकि पाटलिपुत्र एक्सप्रेस में 28 से 30 अगस्त तक एसी थ्री और एसी टू दोनों ही श्रेणियों में

में वेटिंग 50 के पार निकल गई है, जबकि स्लीपर और एसी थ्री श्रेणियों में भी लंबी प्रतीक्षा सूची बनी हुई है। प्रयागराज से नई दिल्ली और आनंद विहार जाने वाली हमसफर एक्सप्रेस और शिवगंगा एक्सप्रेस में भी 31 अगस्त तक कोई जगह खाली नहीं है।

जबकि पुरुषोत्तम एक्सप्रेस में 29 और 30 अगस्त को एसी और जम्मू मेल में भी यात्रियों के लिए कोई गुंजाइश नहीं बची है।

मुंबई जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें भी कम नहीं

सिर्फ दिल्ली ही नहीं, बल्कि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई एवं दक्षिण भारत की तरफ जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। पवन एक्सप्रेस में 30 और 31 अगस्त को एसी सीटें पूरी तरह पैक हैं। इसके अलावा मुंबई रूट की अन्य प्रमुख गाड़ियों में भी कन्फर्म टिकट मिलना लगभग असंभव हो गया है।

यात्री सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेनें भी संचालित की जा रही हैं। इसके अलावा यात्री तत्काल सेवा का भी लाभ उठा सकते हैं। – डॉ. अमित मालवीय, सीनियर पीआरओ, एनसीआर

सीबीएसई और सीआईएससीई स्कूल भी आरटीई के दायरे में, कोर्ट ने मांगा 5 साल का स्कूलवार ब्योरा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सीबीएसई और सीआईएससीई से संबद्ध निजी स्कूल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई)–2009 के प्रावधानों से मुक्त नहीं हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सीबीएसई और सीआईएससीई से संबद्ध निजी स्कूल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई)–2009 के प्रावधानों से मुक्त नहीं हैं। किसी विद्यालय का राज्य बोर्ड के बजाय दूसरे बोर्ड से संबद्ध होना उसे आरटीई के तहत लागू दायित्वों से छूट नहीं देता। कोर्ट ने राज्य सरकार को प्रदेश के सभी निजी स्कूलों में आरटीई के तहत प्रवेश का पिछले पांच शैक्षणिक सत्रों का स्कूलवार ब्योरा पेश करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने भदोही के बफनौटी स्थित सेंट जॉन्स स्कूल की याचिका पर दिया है।

याची स्कूल ने दावा किया है कि आरटीई के प्रावधान अल्पसंख्यक संस्थानों पर लागू नहीं होते हैं। इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार से आरटीई अधिनियम की उपयोगिता, ईडब्ल्यूएस और वंचित समूहों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की नीति पर विस्तृत हलफनामा मांगा है। कोर्ट ने विशेष रूप से कहा कि निजी गैर–सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा एक में कमजोर वर्ग और वंचित समूह के बच्चों को प्रवेश देकर उन्हें प्राथमिक शिक्षा पूरी होने तक मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराने के दायित्व की स्थिति स्पष्ट की जाए। इसमें दिव्यांग बच्चों को भी शामिल किया गया है।

कोर्ट ने राज्य सरकार को सभी निजी प्राथमिक विद्यालयों की जिलेवार सूची देने के साथ जूनियर बेसिक, जूनियर हाईस्कूल, हाईस्कूल और इंटरमीडिएट स्तर पर छात्र संख्या भी बतानी होगी। पिछले पांच शैक्षणिक सत्रों में आरटीई के तहत वास्तविक प्रवेश, आवंटित, प्रवेश न पाने वाले बच्चों की संख्या, कारण, निर्धारित नीति के विपरीत शुल्क वसूली संबंधी शिकायतों और उन पर कार्रवाई का विवरण भी देना होगा।

कोर्ट ने सीबीएसई, सीआईएससीई और अन्य बोर्डों से संबद्ध स्कूलों को भी बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक को जानकारी उपलब्ध कराने में सहयोग करने का आदेश दिया है।

हाईकोर्ट : पॉश एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न की समयबद्ध शिकायत पर ही हो सकती है कार्रवाई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यौन उत्पीड़न की शिकायत पॉश एक्ट–2013 की धारा–9 में निर्धारित समय सीमा के बाहर की जाती है तो उस पर संज्ञान नहीं लिया जा सकता। ऐसी स्थिति में मामले को नए सिरे से जांच के लिए वापस भेजना भी कानूनन उचित नहीं है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यौन उत्पीड़न की शिकायत पॉश एक्ट–2013 की धारा–9 में निर्धारित समय सीमा के बाहर की जाती है तो उस पर संज्ञान नहीं लिया जा सकता। ऐसी स्थिति में मामले को नए सिरे से जांच के लिए वापस भेजना भी कानूनन उचित नहीं है।

इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने प्रयागराज निवासी की विशेष अपील स्वीकार कर ली, जबकि संस्थान की विशेष अपील खारिज कर दी। याची वर्ष 2005 में संस्थान में सहायक प्रोफेसर नियुक्त हुए थे। वर्ष 2016 में कुछ छात्राओं की ओर से उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत की। आंतरिक शिकायत समिति ने जांच की और बाद में संस्थान की गवर्निंग कौंसिल ने नौ जुलाई 2017 को उन्हें फटकार की सजा देते हुए महिला छात्राओं और शोधार्थियों का शैक्षणिक पर्यवेक्षण करने से रोक दिया।

इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। एकल पीठ ने सात मई 2026 के आदेश से सजा को रद्द कर मामले पर संस्थान को नए सिरे से विचार करने के लिए वापस भेज दिया। इस फैसले के खिलाफ याची ने विशेष अपील दायर की। खंडपीठ ने पाया कि शिकायतों में घटनाओं की तारीखें दर्ज नहीं थीं। कोर्ट ने कहा कि पॉश एक्ट की धारा–9 के तहत शिकायत घटना से अधिकतम छह महीने के अंदर की जानी चाहिए। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया। कहा, प्रथम दृष्टया समय सीमा से बाहर शिकायत को शुरुआत में ही खारिज किया जा सकता है। स्पष्ट किया कि जब शिकायतें ही पोषणीय नहीं थीं तो नए सिरे से जांच का कोई आधार नहीं था।

आगरा कॉलेज में भर्ती का मामला, आपत्ति दाखिल करने के लिए 10 दिन का समय दिया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आगरा कॉलेज में भर्ती के लिए जारी विज्ञापन से जुड़े मामले में याचिकाकर्ताओं को राज्य सरकार की ओर से दाखिल अनुपालन हलफनामे पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए 10 दिन का समय दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आगरा कॉलेज में भर्ती के लिए जारी विज्ञापन से जुड़े मामले में याचिकाकर्ताओं को राज्य सरकार की ओर से दाखिल अनुपालन हलफनामे पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए 10 दिन का समय दिया है। साथ ही विवादित विज्ञापन के आधार पर चयन की प्रक्रिया पर लगी रोक फिलहाल जारी रहेगी। मामले की अगली सुनवाई 10 सितंबर 2026 को होगी। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने ज्ञान सिंह और 10 अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि कोर्ट के पूर्व आदेश के अनुपालन में हलफनामा 16 अगस्त 2026 को दाखिल किया जा चुका है। मामले में याचिकाकर्ताओं का कहना है कि वे पिछले 10 वर्षों से दैनिक वेतनभोगी के रूप में कार्य कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने 27 फरवरी 2026 के आदेश में कॉलेज को उनकी शिकायत पर विचार करने और कानूनी बाधा न होने पर उनके समायोजन का प्रयास करने का निर्देश दिया था।

भूमिहीन बटाईदार किसान भी कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के हकदार: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भूमिहीन बटाईदार किसान भी मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत मुआवजे के पात्र हैं। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने चित्रकूट निवासी मंजू की याचिका स्वीकार करते हुए जिलाधिकारी का 26 दिसंबर 2025 का आदेश रद्द कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भूमिहीन बटाईदार किसान भी मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत मुआवजे के पात्र हैं। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने चित्रकूट निवासी मंजू की याचिका स्वीकार करते हुए जिलाधिकारी का 26 दिसंबर 2025 का आदेश रद्द कर दिया। कोर्ट ने मामले को पुनर्विचार के लिए डीएम के पास भेज दिया। साथ ही शासनादेश के अनुसार तीन महीने में नया आदेश पारित करने का निर्देश दिया। मामले में डीएम ने याची के पति फूलचंद्र के नाम कोई भी कृषि भूमि दर्ज नहीं होने के कारण दुर्घटना में मृत्यु के बाद मुआवजे के दावे को खारिज कर दिया था।

याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि 28 फरवरी 2020 के शासनादेश में बटाई पर खेती करने वाले भूमिहीन व्यक्ति को भी किसान की परिभाषा में शामिल किया गया है। इस कारण वह मुआवजे का हकदार है। कोर्ट ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति भू–स्वामी नहीं है लेकिन, पट्टे या बटाई पर खेती करता है या उसकी आजीविका का मुख्य साधन खेती है वो भी इस योजना के तहत किसान की परिभाषा में शामिल है। कोर्ट ने पाया कि डीएम ने केवल राजस्व अभिलेख में नाम नहीं होने के आधार पर दावा खारिज कर दिया, जो योजना की मंशा के विपरीत है।

रक्षाबंधन: फूल नहीं, नोटों से सजे मनी बुके ने लूटी राखी की महफिल

प्रयागराज। रक्षाबंधन पर इस बार भाई–बहन के बीच प्यार जताने का अंदाज भी बदल रहा है। फूलों और चॉकलेट के पारंपरिक बुके के साथ अब मनी बुके भाइयों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। रक्षाबंधन पर इस बार भाई–बहन के बीच प्यार जताने का अंदाज भी बदल रहा है। फूलों और चॉकलेट के पारंपरिक बुके के साथ अब मनी बुके भाइयों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। नोटों को आकर्षक अंदाज में सजाकर तैयार किए जा रहे इन बुके को भाई अपनी बहनों को सरप्राइज गिफ्ट के तौर पर दे रहे हैं।

सिविल लाइंस की कस्टमाइज गिफ्ट विक्रेता ममता सिंह के ने बताया कि मनी बुके का ट्रेंड इस बार तेजी से बढ़ा है। आमतौर पर एक हजार से पांच हजार रुपये तक के बुके अधिक तैयार किए जा रहे हैं। मनी बुके में 10, 20, 50, 100 और 500 रुपये के नये नोट का इस्तेमाल किया गया है। हालांकि ग्राहक अपनी सुविधा और बजट के अनुसार अलग–अलग राशि के बुके बनवा रहे हैं। अभी तक मेरे पास सबसे अधिक इक्यावन हजार रुपये तक की बुकिंग आई है। मनी बुके की मेकिंग चार्ज करीब पांच सौ से पांच हजार रुपये तक है। युवा सबसे ज्यादा कस्टमाइज्ड गिफ्ट पसंद कर रहे हैं। नई पीढ़ी को ऐसे उपहार पसंद आ रहे हैं जो ट्रेंडिंग होने के साथ देखने में अलग और व्यक्तिगत लगें। यही वजह है कि इस रक्षाबंधन पर गिफ्ट बाजार में कस्टमाइज्ड बुके और हैम्पर ने अपनी अलग जगह बनाई है। एटीएम हैम्पर भी इस बार युवाओं के बीच खासा पसंद किया जा रहा है। इसमें बहन की पसंद के अनुसार मैगी, कोल्ड ड्रिंक, चिप्स, चॉकलेट और दूसरे स्नैक्स रखे जा रहे हैं। इस हैम्पर को ग्राहक अपना सामान खुद लाकर भी तैयार करा सकते हैं। इसकी मेकिंग चार्ज करीब तीन सौ से छह सौ रुपये है। मेकअप बुके में फेसवॉश, फेस स्क्रब, लिपस्टिक, मस्कारा, आईशैडो और चॉकलेट जैसी चीजें शामिल की जा रही हैं। वहीं एक्सेसरीज बुके में रिंग, कश्मीरी झुमके, ट्यूलिप ब्रेसलेट, बो, ब्रेसलेट और कश्मीरी चूड़ियां शामिल हैं। इसकी कीमत आठ सौ से 2,500 रुपये तक है। वहीं कस्टमाइज्ड सीपर बॉटल में ज्वेलरी, रबर बैंड और हेयर क्लिप रखकर उस पर नाम लिखवाया जा रहा है। रक्षाबंधन बॉक्स और ड्राई फ्रूट बॉक्स को भी ग्राहक अपनी पसंद के सामान और करेंसी के साथ तैयार करा रहे हैं। कस्टमाइज्ड गिफ्ट की मांग केवल शहर तक सीमित नहीं है। दुबई, कनाडा, अबू धाबी, ऑस्ट्रेलिया और सऊदी अरब से भी प्रयागराज में रहने वाले भाई–बहनों के लिए ऑर्डर आ रहे हैं। विदेश में रहने वाले भाई–बहन इन हैम्पर को सरप्राइज गिफ्ट के तौर पर भेज रहे हैं। रक्षाबंधन त्योहार पर शहर के राखी बाजार पूरी तरह सज चुके हैं। दुकानों पर खरीदारों की चहल–पहल बढ़ गई है। भाई की कलाई के लिए रंग–बिरंगी राखियों के साथ इस बार भाई–भाभी जोड़ी और कॉम्बो राखियां भी आकर्षण का केंद्र हैं। इसके साथ ही बाजार में मुख्य आकर्षण ब्रैसलेट राखियां रहीं। विक्रेता आशीष ने बताया कि पुरुषों की राखियों की तुलना में महिलाओं की ब्रैसलेट राखी की मांग ज्यादा है।

कई बार बहनों से ऐसी बातें भी साझा कर पाती हूं, जो भाई या किसी अन्य व्यक्ति से नहीं कह सकती। इसलिए बहन की कलाई पर राखी बांधना मेरे लिए भरोसे और अपनापन जताने का तरीका है। –प्रज्ञा, प्रयागराज

इस बार अपनी बहन के लिए राखी खरीद रही हूं। बहन हमेशा साथ खड़ी रहती है। उसकी कलाई पर राखी बांधकर मुझे भी उसके लिए अपना प्यार और सुरक्षा का भाव जताने का मौका मिलता है। –सृष्टि सिंह

इस बार बहनों के लिए ब्रैसलेट और कंगन स्टाइल की राखियों की मांग देखने को मिल रही है। राखी बाजार में बहनों के लिए ट्यूलिप, रुद्राक्ष, एडी स्टोन और क्रिस्टल–मोती वाली ब्रैसलेट राखियां उपलब्ध हैं।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम फैज अहमद (FAZ) AHMED) पुत्र परवेज अहमद है जो मेरे शैक्षिक अभिलेख में अंकित है त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड में नाम समीर खान अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मेरे सही नाम फैज अहमद (FAIZ AHMED) पुत्र परवेज अहमद के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतदद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकताएं स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण किया गया है।

फैज अहमद पुत्र परवेज अहमद
पता–4/2 शूतुर्खाना तालियारगंज
जोंधवल, कावेल्लारी लाइंस प्रयागराज
उत्तर प्रदेश 211004

संक्षिप्त

लखनऊ यूनिवर्सिटी में लिफ्ट में फंसी छात्रा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ यूनिवर्सिटी के बीएड विभाग में बिजली जाते ही लिफ्ट बीच में रुक गई और शोध छात्रा करीब 45 मिनट तक अंदर फंसी रही। छात्रा के लिफ्ट में फंसे होने की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में छात्र और कर्मचारी पहुंच गए। काफी कोशिश के बाद लिफ्ट खोली गई और छात्रा को बाहर निकाला गया। घटना को लेकर छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। बीएड विभाग में शोध छात्रा अनुकृता सिंह किसी काम से पहुंची थीं। इसी दौरान अचानक बिजली चली गई और लिफ्ट बीच में ही रुक गई। छात्रा के अंदर फंसे होने की जानकारी मिलते ही विभागीय स्टाफ और कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। छात्रों और कर्मचारियों ने लिफ्ट खोलकर छात्रा को बाहर निकालने की कोशिश की। घटना के बाद कुछ छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि निर्माण विभाग की लापरवाही के कारण छात्रों को परेशानी उठानी पड़ रही है। छात्रों ने लिफ्ट की व्यवस्था और उसकी देखरेख को लेकर शिकायत भी की।

आईआईआईटी हैदराबाद में एडमिशन के नाम पर 20 लाख ठगे

लखनऊ (संवाददाता)। विभूति खंड में आईआईआईटी हैदराबाद में बीटेक ईसीई में एडमिशन दिलाने के नाम पर 20 लाख रुपए की ठगी हुई है। विभूति खंड के रहने वाले पीड़ित का गूगल सर्च के जरिए मिले एक व्यक्ति ने खुद को मुंबई की विजडम एजुकेशन नाम की एजुकेशन कंसल्टेंसी का संचालक बताया। प्रतिष्ठित कॉलेज में दाखिला दिलाने का भरोसा दिया। पहले बेंगलुरु के कॉलेज में एडमिशन का दावा किया, फिर आईआईआईटी हैदराबाद में सीट दिलाने की बात कहकर 5 बार में 20 लाख रुपए ले लिए। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस ने 3 आरोपियों के खिलाफ थ्प्ट दर्ज की है। विभूति खंड निवासी नरेंद्र सिंह के मुताबिक, दिसंबर 2024 में कोचिंग संस्थान थ्प्ध्ध्ं श्रम्भ अचानक बंद हो गया था। इससे उनकी बेटी रुद्राक्षी सिंह की इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी प्रभावित हुई। इसके बाद परिवार ने कोटा से किसी प्रतिष्ठित कॉलेज में एडमिशन के विकल्प तलाशने शुरू किए। नरेंद्र सिंह का आरोप है कि अप्रैल 2026 में गूगल पर सर्च करने के दौरान उनका संपर्क अविनाश सिंह से हुआ। आरोपी ने खुद को मुंबई की विजडम एजुकेशन नाम की एजुकेशन कंसल्टेंसी चलाने वाला बताया। उसने प्रतिष्ठित कॉलेज में एडमिशन कराने का भरोसा दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार, बातचीत में अविनाश ने पहले बेंगलुरु के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में एडमिशन कराने की बात कही। इसके बाद जून में उसने दावा किया कि इसी खर्च में थ्प्ध्ध् हैदराबाद में बीटेक म्ब् में दाखिला कराया जा सकता है। उसकी बातों में आकर परिवार ने एडमिशन के लिए रकम देना शुरू कर दिया। आरोप है कि नरेंद्र सिंह ने आरोपी को 5 बार में कुल 20 लाख रुपए दिए। इनमें कुछ रकम नकद भी थी, जिसे आरोपी के घर से लेकर गए। इसके बाद आरोपी ने फर्जी अलॉटमेंट लेटर भेज दिया। बाद में पता चला कि अलॉटमेंट लेटर फर्जी है। आरोपियों का फोन बंद हो गया। इस पर पुलिस से शिकायत की। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस ने अविनाश सिंह, प्रणव और शिवम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया कि थ्प्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। लेनदेन और एडमिशन के नाम पर हुई बातचीत समेत अन्य साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है।

इंडस्ट्रियल एरिया में जलभराव-बिजली पर उद्योग बंधु की बैठक

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव, बिजली ट्रिपिंग और सड़क–नाली की समस्याओं के समाधान पर फैसला लेने के लिए उद्योग बंधु की बैठक होगी। 27 अगस्त को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में अमौसी, सरोजनीनगर और तालकटोरा समेत अन्य औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं पर चर्चा होगी। इसके साथ ही निवेश मित्र पोर्टल पर समय सीमा पार कर चुके 70 मामलों की भी समीक्षा की जाएगी। बैठक में अमौसी–नादरगंज और सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्र में जल निकासी की समस्या पर खास चर्चा होगी। सरोजनीनगर में लखनऊ–कानपुर रोड के किनारे एनएचएआई का बनाया जा रहा ड्रेन औद्योगिक क्षेत्र के ड्रेन से ऊंचा है। इससे बारिश का पानी नहीं निकल पा रहा है। नगर निगम, जलकल, एलडीए, सीएंडडीएस, जल निगम, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई विभाग, एनएचएआई और यूपीसीडा की टीम मौके का निरीक्षण कर चुकी है। अब सीएंडडीएस को समस्या के समाधान की कार्ययोजना तैयार करनी है। तालकटोरा औद्योगिक क्षेत्र में सड़क और नाली निर्माण का मामला भी बैठक में रखा जाएगा। संयुक्त टीम ने 17 अगस्त को मौके पर जाकर प्रभावित इकाइयों से बात की थी। टीम ने संबंधित इकाइयों को परिसर के अंदर ही लोडिंग–अनलोडिंग करने और सड़क किनारे रखा सामान हटाने के निर्देश दिए हैं। पहले नाली और उसके बाद सड़क बनाने का सुझाव दिया गया है। अमौसी औद्योगिक क्षेत्र के शष्तम विहार में जलभराव खत्म करने के लिए 700 मीटर लंबा नाला बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसकी अनुमानित लागत 1.05 करोड़ रुपए है। फिलहाल पंप और सुपर सक्शन मशीन से पानी निकाला जा रहा है। बैठक में प्रस्ताव की स्थिति पर चर्चा होगी। चिनहट औद्योगिक क्षेत्र में बार–बार बिजली ट्रिप होने से उत्पादन प्रभावित हो रहा है। बैठक में इसका स्थायी समाधान कराने पर चर्चा होगी। तालकटोरा औद्योगिक क्षेत्र के पार्क में जमा कूड़ा हटाने और बाहर से कूड़ा डालने पर रोक लगाने का मुद्दा भी रखा जाएगा। इसके अलावा मऊ मोहनलालगंज औद्योगिक क्षेत्र में भूखंड पर अवैध कब्जे की कार्रवाई और अमौसी में अशोक लीलैंड की इकाई शुरू होने के बाद बैंक गारंटी से छूट के मामले की भी समीक्षा होगी।

लखनऊ में व्यापारी के पास मिली अवैध पिस्टल

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने 26–27 अगस्त की रात करीब 1 बजे शहीद पथ के किनारे सीएमएस तिराहे के पास आपस में झगड़ रहे पांच युवकों को पकड़ा। तलाशी के दौरान एक युवक के पास से 32 बोर की अवैध पिस्टल, मैगजीन और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी गोमतीनगर विस्तार गौरव वाजपेयी ने बताया कि 27 अगस्त की रात पुलिस टीम जनेश्वर मिश्र पार्क के गेट नंबर–7 के पास गश्त और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी थी कि सीएमएस तिराहे से पहले शहीद पथ के किनारे चार–पांच लोग आपस में मारपीट कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। वहां सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर सड़क पर खड़ी थी।

संस्कृतगीत में खुशी तथा शोधपत्रवाचन में अनन्त अव्वल

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संस्कृत विभाग तथा आनन्द मार्ग प्रचारक संघ के बौद्धिक प्रकोष्ठ रेनेसां यूनिवर्सल के संयुक्त तत्त्वावधान में सात दिवसीय संस्कृत उत्सव के अवसर पर "भारतीय ज्ञान प्रणाली के संदर्भ में श्री श्री आनन्दमूर्ति जी के दर्शन की प्रासंगिकता" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय के अकादमिक ब्लॉक–ए स्थित जी–6 कक्ष में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संस्कृत विभाग के शोधार्थी श्री नितिन त्रिपाठी, अनन्तजी मिश्र द्वारा मंगलाचरण से हुआ। डीन सामाजिक विज्ञान संकाय एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का परिचय कराया। आचार्य दिव्यचेतनानन्द अवधूत, केन्द्रीय सचिव, रेनेसां यूनिवर्सल, कोलकाता ने परिचयात्मक उद्‌बोधन प्रदान किया। उन्होंने अन्य भारतीय दर्शनों की तुलना करते हुए आनन्दसूत्रम् की दार्शनिक अवधारणाओं पर प्रकाश डाला। सर्वप्रथम उन्होंने श्री श्री आनन्दमूर्तिजी के दर्शन के अनुसार मन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि मन पदार्थ से उत्पन्न होता है, पदार्थ ब्रह्माण्डीय चित्त से तथा ब्रह्माण्डीय चित्त परम चेतना का रूपान्तरण है।

इसके पश्चात् उन्होंने विकास–प्रक्रिया की अवधारणा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विकास की तीन प्रक्रियाएँ हैंःप्रथम, भौतिक संघर्ष से भौतिक शक्ति का उद्‌भव; द्वितीय, मानसिक संघर्ष से मानसिक शक्ति का उद्‌भव; तथा तृतीय, महान के आकर्षण से आध्यात्मिक परिणति का उद्‌भव। उन्होंने सृष्टि–चक्र की व्याख्या करते हुए संचर धारा (केन्द्रापसारी गति) और प्रतिसंचर धारा (केन्द्राभिसारी गति) का विवेचन किया। केन्द्रापसारी गति सूक्ष्म से स्थूल की ओर अर्थात् एक से अनेक की ओर होने वाली गति है, जबकि केन्द्राभिसारी गति स्थूल से सूक्ष्म की ओर अर्थात् अनेक से एक की ओर होने वाली गति है। इस प्रकार उन्होंने बताया कि आनन्द मार्ग दर्शन में अद्वैत, द्वैत और पुनः अद्वैत की समन्वित दार्शनिक दृष्टि दिखाई देती है।

आचार्य दिव्यचेतनानन्द अवधूत ने मानवतावाद से नवमानवतावाद की यात्रा पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने श्री पी. आर. सरकार के विचारों के आधार पर बताया कि मानवता की पूर्णता और अपूर्णता का समग्र भाव मानवता कहलाता है। जब मनुष्य में उदात्त एवं उच्च विचारों का विकास होता है, तो वह मानवतावाद कहलाता है। वहीं, जब यह चेतना शाश्वत प्रेरणा के स्रोत अर्थात् आध्यात्मिक साधना से अनुप्राणित होती है, तो वह नवमानवतावाद का रूप ग्रहण करती है। मानवता की अन्तर्निहित भावना को सजीव से निर्जीव तक समस्त अस्तित्व में विस्तारित करना ही नवमानवतावाद है। यह मानवतावाद को सार्वभौमिकता की ओर ले जाता है तथा समस्त जीवों में प्रेम की भावना का विकास करता है। प्रो. अनिल प्रताप गिरि, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने श्री श्री आनन्दमूर्तिजी के विभिन्न क्षेत्रों एवं विषयों में बहुआयामी योगदान पर विस्तारपूर्वक अपने विचार प्रस्तुत किए।

उन्होंने अपने उद्‌बोधन में 'आनन्दसूत्रम्' में प्रतिपादित सात प्रमुख तत्त्वों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इसमें तत्त्वमीमांसा, सत्तामीमांसा, प्रमाणमीमांसा, आचारमीमांसा, आध्यात्मिक चिन्तन, भारतीय मनोविज्ञान तथा भाषाविज्ञान जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों का समन्वित विवेचन किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय दर्शन की मूल चेतना को समझने के लिए निगम और आगम परम्परा का ज्ञान अत्यन्त आवश्यक है। 'आनन्दसूत्रम्' में मनुष्य के जीवन के परम लक्ष्य के रूप में आनन्द की प्राप्ति को केन्द्र में रखते हुए आध्यात्मिक एवं दार्शनिक चिन्तन प्रस्तुत किया गया है। कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त, अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण प्रो. विवेक कुमार सिंह, अधिष्ठाता सामाजिक विज्ञान संकाय प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने अपने सारगर्भित व्याख्यान से संगोष्ठी को सार्थक बनाया। संस्कृत विभाग के प्रवक्ता डॉ. पीयूष मिश्र ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। डॉ. प्रिया झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सप्ताहभर चले संस्कृत उत्सव के समापन दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए गये। संस्कृत गीत में खुशी, प्रियांशु, राघवेन्द्र, पायल, संस्कृतश्लोकपाठ में शाम्भवी, प्रियांशु, पाकीज़ा, ख़ुशी, संस्कृतसामान्यज्ञान स्नातक वर्ग में जेया, नीतू, पवन,अश्विता, परास्नातक वर्ग में शाम्भवी, पाकीज़ा, विराज, उत्कर्ष एवं उत्कृष्ट शोधपत्रवाचन में अनन्तजी, दीक्षा, शिखा व नितिन क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किये। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का मापन हुआ।

जल प्लावन व उसके निराकरण के संबंध में बैठक आहूत

प्रयागराज। आज उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी महापौर प्रयागराज द्वारा जोन नं0 2 में जलप्लावन व उसके निराकरण के सम्बन्ध में बैठक आहूत की गयी । उक्त बैठक में क्षेत्रीय पार्षदगण सर्वश्री नीरज गुप्ता, नीरज टंडन, कुसुमलता, सुनीता चोपड़ा,सतीश कुमार, साहिल अरोरा रमीज हसन, सरफराज अहमद, फसहत हुसैन, पूर्व पार्षद तसलीम उद्‌दीन व जिया उवैद खान, शादाब असलम अपर नगर आयुक्त,सौरभ यादव जोनल अधिकारी जोन–2,अजीत कुमार, अधिशाषी अभियन्ता, जोन–2 के अवर अभियन्ता, अरविन्द कुमार यादव जोनल सिनेटरी अधिकारी, जलकल विभाग व आशीष कुमार सहायक अभियन्ता,गंगा प्रदूषण नियंत्रण विभाग के अन्य अभियन्तागण आदि उपस्थित रहे।

पार्षद नीरज गुप्ता द्वारा बताया गया कि उनके क्षेत्र के माया प्रेस रोड पर लवकुश के दुकान के सामने रोड बैठ गयी है इसी प्रकार हटिया चौराहे से कटघर जाने वाले मार्ग पर कतिपय स्थानों पर सड़क बैठ गयी है जिसमें दुर्घटना होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। कल्लू कचौड़ी चौराहा पर पानी की लाइन फटने के कारण सड़क बैठ रही है लीकेज अभी तक सम्बन्धित विभाग द्वारा नहीं बनाया गया है। इसके अतिरिक्त काली बाड़ी मंदिर वाले रास्ते पर वर्षा होने पर काफी मात्रा में जलप्लावन होता है और गंदा पानी मंदिर के अन्दर चला जाता है कारण कैचपिट का निर्माण न होना जिससे पानी काफी धीरे धीरे निकलता है यदि कालीबाड़ी गेट के पास एक नये कैच पिट का निर्माण व सीवर कनेक्विटी की जॉच हो जाय तो समस्या का सामाधान हो जायेगा।

सरफराज अहमद पार्षद वार्ड नं0 100 द्वारा बताया गया कि अटाला क्षेत्र में विकास प्राधिकरण द्वारा जो नाला कुम्भ के दौरान बनाया गया है वह पूरी तरह से गन्दगी और सटरिंग आदि से भरा है जो घाघर नाले में जाकर मिलता है अतिक्रमण व घाघर नाले की सफाई न होने के कारण जलप्लावन की स्थिति उत्पन्न हो रही है। गंगा प्रदूषण द्वारा पूरे क्षेत्र में सीवर लाइन डाली गयी है जिसकी कई वर्षो से सफाई का कार्य नहीं हुआ है पानी का बहाव अवरूद्ध है। कुसुमलता पार्षद मोहत्सिमगंज द्वारा बताया गया कि उनके क्षेत्र में स्टेटमैन बेकरी से निरंजन टाकिज तक नई सीवर लाइन डालने का कार्य जल संस्थान द्वारा किया जा रहा है आगामी दिनों में त्योहारों का आगमन होना निश्चित है जिसमें आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। अन्य पार्षदों द्वारा भी अपने क्षेत्र नाला व सीवर की सफाई न होने की बात कही गयी।

बैठक के अन्त में सभी उपस्थित पार्षदगणों से सहयोग की अपेक्षा करते हुये अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि वह सभी वाटर लागिंग वाले क्षेत्रों में समुचित सफाई,कीट नाशक का छिड़काव व फागिंग आदि का कार्य कराना सुनिश्चित करें साथ ही अपने अपने क्षेत्रों में नाला नालियों पर हुये अतिक्रमण का चिन्हीकरण करते हुये नाला नालियों को अतिक्रमण मुक्त कर पानी के बहाव को सुचारु रूप से करें ताकि वाटर लागिंग की समस्या न होने पाये अगर कोई अतिक्रमण हटाने में अवरोध उत्पन्न करें तो उसके विरूद्व एफ आई आर दर्ज कराकर प्रशासनिक कार्यवाही करें ताकि आम जनता को किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

इसके अतिरिक्त जहॉ जहॉ पर बरसात के कारण सड़क क्षतिग्रस्त हो गयी उसे तत्काल ठीक कराया जाय गंगा प्रदूषण के अभियन्तागणों को आदेशित किया गया कि जहॉ जहॉ सीवर की समस्या पार्षदगणों द्वारा बतायी जाय वहॉ के सीवर की डी सेन्टिलिंग व ढक्कन बदलने का कार्य तत्काल कराया जाय इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न की जाये।

दलित हूं इसलिए 6 महीने के लिए रेस्टीकेट किया

लखनऊ (संवाददाता)। मुझे 6 महीने के लिए कैंपस से रेस्टिकेट कर 12 हजार का फाइन लगा दिया गया है। डकैती जैसे आरोप लगाकर ये कार्रवाई की गई है, क्योंकि मैं एक दलित छात्र हूं। मेरे जैसे 16 छात्रों के खिलाफ संज्ञेय धाराओं में कार्रवाई की गई है। बाबा साहब के नाम पर ये विश्वविद्यालय है। यहां 50ः सीट ैब्ध्ैज् वर्ग के लिए रिजर्व है। स्पेशल एक्ट के तहत इस यूनिवर्सिटी को बनाया गया है पर यहां मेरे साथ अन्याय हो रहा है। ये कहना है ठठ।न् के स्ट ऑनर्स के फाइनल ईयर स्टूडेंट पवन चौधरी का। छात्र ने वीडियो जारी कर दावा किया है कि उसे 6 महीने के लिए रेस्टीकेट कर शिक्षा से वंचित कर दिया गया। दरअसल, ल्ठ की छात्रा अनामिका सिंह की फूड प्वाइजनिंग से मौत की खबर से 28 अप्रैल को कैंपस में छात्र आक्रोशित हो गए थे। कुलपति आवास का घेराव किया। इस दौरान कुछ छात्रों द्वारा कुलपति आवास के अंदर तोड़फोड़ की गई थी। हालांकि, मौके पर कुलपति आवास में मौजूद नहीं थे पर जमकर हंगामा हुआ था। इसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची थी। तब कहीं जाकर हालात काबू में आ पाए थे। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से आशियाना थाने में तहरीर देकर 16 छात्रों को नामजद और कई अज्ञात छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कहा गया था। पुलिस ने इनके खिलाफ थ्प्ट भी दर्ज की थी। हालांकि, जिन छात्रों के खिलाफ कार्रवाई हुई, उनका कहना था भीड़ में कुछ बाहरी छात्र घुस गए थे, और उनके द्वारा ही तोड़फोड़ की गई थी। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए शामिल छात्रों की कैंपस में एंट्री बैन करा दी थी। बीबीएयूके चीफ प्रॉक्टर प्रो.रामचंद्र ने बताया कि करीब 20 छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। जिस घटना में इन छात्रों की संलिप्तता थी, वो माफी लायक नहीं था।

मंजर है यह बाढ़ का

(कुण्डलिया)

सुरसा–सा मुँह खोलकर, खेल करें जब बाढ़।
कहीं जश्न की रात है, कहीं जिन्दगी गाढ़।
कहीं जिन्दगी गाढ़, सुनाती अपनी गाथा।
पूड़ी–सब्जी बाँट, बताते खुद को दाता।
सुन लो कहें प्रदीप, शब्द की होती बरसा।
रोटी को मुहताज, भूख भी लगती सुरसा।

मंजर है यह बाढ़ का,टीले बनते ठाँव।
नदियों के आगोश में,शरण ले रहे गाँव।
शरण ले रहे गाँव, भूख ने पैर पसारे।
दाता हुए अनाथ, लुप्त हो गए सहारे।
सुन लो कहें प्रदीप, देख दुनिया–आडंबर।
उनसे रहो सतर्क, लाभ हित देखें मंजर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भयहरणनाथ धाम में आज 28 को मनाया जाएगा बकुलाही नदी पुनरोद्धार दिवस, होगा महादेव का पूजन और सुरक्षाकर्मियों को रक्षासूत्र बंधन

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन बाबा भयहरणनाथ धाम में सावन मेला के समापन अवसर तथा बकुलाही नदी पुनरोद्धार दिवस के अवसर पर 28 अगस्त को दोपहर 12 बजे श्री भयहरणनाथ महादेव व बकुलाही मैया का पूजन होगा। साथ ही रक्षा बंधन के

महापर्व पर सुरक्षाकर्मी भाइयों को प्रबन्ध समिति सदस्यों द्वारा रक्षा बांध कर समाज की सुरक्षा व सुव्यवस्था में सहयोग की कामना की जाएगी। यह जानकारी भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव व बकुलाही पुनरोद्धार अभियान के संयोजक समाज शेखर ने दी। उन्होंने बताया कि दैवीय कृपा से इस वर्ष भारी वर्षा के कारण बकुलाही नदी की दोनों धाराओं में अथाह जल प्रवाहित हो रहा है, जिससे समाज में खुशी व उत्साह है।

राखी मेकिंग प्रतियोगिता एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। बेसिक विद्यालय पहाड़पुर महमूदाबाद में राखी पर्व के अवसर पर राखी मेकिंग प्रतियोगिता एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी उदय मणि पटेल के प्रोत्साहन तथा प्रभारी इंचार्ज प्रधानाध्यापक नीति रस्तोगी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए सुंदर–सुंदर राखियां बनाईं तथा मेहंदी प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पर्व के महत्व के बारे में बताया। अमित दीक्षित, प्रियंका चौधरी, पूनम बंशवार एवं सायमा जोहरा ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता, आपसी प्रेम, भाईचारे एवं भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता का भाव विकसित हुआ। कार्यक्रम का वातावरण उल्लास और उमंग से भर गया तथा बच्चों ने राखी पर्व को यादगार बनाया।

लखनऊ के कई इलाकों में झमाझम बारिश

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के अलग–अलग इलाकों में झमाझम बारिश हुई। गुरुवार सुबह से करीब सात बजे तक धूप निकली। इसके बाद बादल छा गए। दोपहर करीब 12 बजे रहीमाबाद, माल में रिमझिम बारिश शुरू हो गई। दोपहर करीब 2 बजे से 3 बजे तक झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग ने गरज–चमक के साथ ससबारिश की संभावना जताई है। हालांकि, पिछले कई दिनों से जारी तेज बारिश का दौर अब धीरे–धीरे कमजोर पड़ने की उम्मीद है। मानसून में अभी तक 464.7 मिलीमीटर बारिश हुई है। जबकि सामान्य बारिश का औसत 491.4 मिलीमीटर है। इस दौरान सामान्य बारिश से 5 फीसदी कम बरसात अभी तक हुई है। बुधवार देर शाम तक 14.3 मिलीमीटर बारिश हुई। बुधवार को अधिकतम तापमान 32.1°C रहा, जो सामान्य से 1.6°C कम था। न्यूनतम तापमान 27°C रहा, यह भी सामान्य से 1.6°C कम रहा। अधिकतम आर्द्रता 95% और न्यूनतम 81% दर्ज की गई। चढ़ेगा तापमान, बारिश का दौर थमेगा जल्द ही भारी बारिश से राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के बाद राज्य में जारी मूसलाधार बारिश की गतिविधियों में बड़ी कमी आएगी। बारिश थमने के साथ ही राजधानी समेत राज्य में तापमान धीरे–धीरे बढ़ने लगेगा।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है, यह गाड़ी अपने पूर्व निर्धारित समय, दिन, संरचना, ठहराव एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 01925/01926 कानपुर सेंट्रल-मदुरै विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं.	कहाँ से-कहाँ तक	आवृत्ति	संचालन का दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तारित तिथि
01925	कानपुर सेंट्रल-मदुरै	साप्ताहिक	बुधवार	26.08.2026	02.09.2026 से 25.11.2026
01926	मदुरै-कानपुर सेंट्रल	साप्ताहिक	शनिवार	29.08.2026	05.09.2026 से 28.11.2026

गाड़ी सं. 04123/04124 प्रयागराज-हज़रत निज़ामुद्दीन विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं.	कहाँ से-कहाँ तक	आवृत्ति	संचालन का दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तारित तिथि
04123	प्रयागराज-हज़रत निज़ामुद्दीन	सप्ताह में 02 दिन	बुध. एवं रवि.	30.08.2026	02.09.2026 से 29.11.2026
04124	हज़रत निज़ामुद्दीन-प्रयागराज	सप्ताह में 02 दिन	गुरु. एवं सोम.	31.08.2026	03.09.2026 से 30.11.2026

गाड़ी संरचनाः स्लीपर श्रेणी-09, सामान्य श्रेणी-09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01, वातानुकूलित प्रथम सह तृतीय श्रेणी-01

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1992/26 (PH)

सम्पादकीय.......

जहर बांटते उद्योग

कुछ उद्यमी मुनाफे की अंधी हवस में इतने स्वार्थी हो जाते हैं कि औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले कचरे को साफ किए बिना ही जलधाराओं में बहा देते हैं। जबकि उनकी नैतिक व कानूनी जिम्मेदारी बनती है कि उनकी फैक्ट्रियों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ पर्यावरण व नदी–नालों को प्रदूषित न करें। हिमाचल प्रदेश स्थित बद्दी–नालागढ़ इलाके में कई औद्योगिक इकाइयां नदियों में जहरीले रसायन लगातार बहाती रही हैं। यह प्रदूषणकारक कचरा सिरसा नदी में बहा दिया जाता है, जो कालांतर सतलुज नदी में चला जाता है। यही वजह है कि आज सतलुज का प्रदूषित पानी जो चेतावनी दे रहा है उसे पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सरकारें भी नजरअंदाज नहीं कर सकती हैं। इसी आने वाले संकट के मद्देनजर ही बद्दी–नालागढ़ इलाके की अज्ञात औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जो मामले की गंभीरता को ही दर्शाता है। निस्संदेह, यह संकट कोई नई समस्या नहीं हैं। जो हमारे पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नियम व कानूनों को लागू करने में तंत्र की बार–बार होने वाली विफलता को ही दर्शाता है। बद्दी–बरोटीवाला–नालागढ़ क्षेत्र से होने वाले औद्योगिक प्रदूषण के प्रामाणिक रिकॉर्ड कई सालों से मौजूद हैं। दरअसल, यह जहरीला कचरा इस औद्योगिक क्षेत्र से गुजरने वाली सिरसा नदी में डाल दिया जाता है। सिरसा नदी इन प्रदूषक तत्वों को आगे की ओर बहा ले जाती है। कालांतर यह सतलुज नदी में जाकर मिल जाता है। इस बाबत कई बार जांच भी की गई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की कार्यवाही में बिना ट्रीट किए गए रसायनयुक्त कचरे व ठीक से ट्रीट न किए गए कचरे के बारे में उल्लेख किया गया है। ट्रिब्यूनल ने नियमों का पालन न करने वाली इकाइयों तथा ट्रीटमेंट सिस्टम की खामियों की ओर इशारा किया है। दरअसल, फार्मास्युटिकल प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि पारंपरिक ढंग से ट्रीटमेंट करने वाले सिस्टम से सक्रिय फार्मास्युटिकल तत्व और एंटीबॉयोटिक के अवशेष पूरी तरह से नहीं हट पाते हैं। दरअसल, हाल के प्रकरण से एक और परेशान करने वाली विरोधीभासी बात सामने आई है। इस बाबत सूचना मिली थी कि रोपड़ हेडवर्क्स पर भारी मात्रा में जमा कचरे को नदी के बहाव की दिशा में बेफिक्री से छोड़ दिया गया। निस्संदेह, यदि यह कचरा नुकसानदायक था, तो इसे नदी में छोड़ने से समस्या महज एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित ही हुई है। कायदे से हेडवर्क्स में जमा कचरे की वैज्ञानिक तौर–तरीकों से निगरानी की जानी चाहिए थी। सही मायने में प्रदूषणकारक कचरे को ठिकाने लगाने से पहले उसके सैंपल लेकर उसकी जांच–पड़ताल की जानी जरूरी थी। निश्चित रूप से यह संकट बड़ा है और तत्काल इसका समाधान किया जाना चाहिए था। वास्तव में इस मामले को हिमाचल बनाम पंजाब के बीच आरोप–प्रत्यारोप का खेल नहीं बनने दिया जाना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि दोनों सरकारें मिलकर प्रदूषण फैलाने वाले कचरे का वास्तविक स्रोत तलाशें क्योंकि अभी तक कचरे के असली स्रोत का पता नहीं चल सका है। यही वजह है कि अभी अज्ञात औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ ही प्राथमिकी दर्ज की गई है। लेकिन यह एक हकीकत है कि अज्ञात इकाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होना, दोषी होने का सबूत नहीं हो सकता। जरूरत इस बात की है कि पंजाब और हिमाचल के प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी मिलकर साझी जांच करें। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को चाहिए कि वह इसकी स्वतंत्र रूप से निगरानी करे। आज आवश्यकता इस बात की है कि इस घटना के बाद बद्दी–सिरसा–सतुलज की पूरी चेन की लगातार निगरानी की जाए। वहीं दूसरी ओर मॉनसून के दौरान अचानक निरीक्षण, अनधिकृत औद्योगिक इकाइयों की पहचान करना और वैज्ञानिक तरीके से प्रदूषण के असली स्रोत का पता लगाया जाना चाहिए। साथ ही इस बात का भी प्रावधान हो कि बार–बार नियम तोड़ने वाले उद्यमियों पर कड़े आर्थिक दंड लगाए जाएं। उन्हें आपराधिक कृत्य के लिये परिणाम भुगतने के लिये तैयार रहने को भी कहा जाए। शायद तभी धरती, पानी और हवा को प्रदूषित करने वाले कारोबारियों की जवाबदेही तय की जा सकेगी।

वंदे मातरम्: राष्ट्रगीत से विभाजन का हथियार

राजेंद्र शर्मा

संसद के जिस मानसून सत्र की शुरूआत, युवा पीढ़ी के असंतोष के अभूतपूर्व प्रदर्शन के रूप में श्संसद मार्च के साथ हुईञ्, जिससे उठे सवालों की बारिश में मानसून सत्र एक तरह से पूरी तरह से बह ही गया। प्रायरू ठप्प ही रही संसद से शोर–शराबे के बीच मोदीशाही ने जिन विधेयकों पर लगभग किसी भी चर्चा के बिना संसद से मोहर लगवाने की औपचारिकता पूरी कर ली थी, उनमें श्वंदे मातरम्ञ्च को कथित रूप से उसका उचित सम्मान देने के लिए लाया गया विधेयक भी शामिल था। राष्ट्रीय सम्मान अनादर निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 नाम का यह विधेयक, जो संक्षेप में श्राष्ट्र गीतञ् वंदे मातरम् के अनादर को श्राष्ट्र गानञ् के बराबर, दंडनीय अपराध बनाने का प्रावधान करता है, 24 जुलाई को राज्यसभा में पेश किया गया और बिना किसी विस्तृत चर्चा का मौका दिए और विपक्ष के कड़े विरोध के बावजूद, 29 जुलाई को राज्य सभा से और 30 जुलाई को लोक सभा से इस पर मोहर लगवा ली गयी। राष्ट्रपति ने भी फौरन इस पर मोहर लगाकर इसे देश का कानून बना दिया। इस कानून के बनने के बाद गुजरे मुश्किल से तीन हफ्तों के घटनाक्रम ने राजनीतिक विपक्ष की ही नहीं, दूसरे अनेक राजनीतिक प्रेक्षकों की इसकी आशंकाओं की पुष्टि करने का ही काम किया है कि, इसके पीछे मंशा राष्ट्र गीत श्वंदे मातरम्ञ् का आदर करने की नहीं, उसे संघ–भाजपा परिवार की सांप्रदायिक विभाजन की राजनीति का हथियार बनाने की है। संघ–भाजपा के दुष्प्रचार के सामने दुर्लभ दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए जब कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने ऐलान कर दिया कि कांग्रेस वंदे मातरम् के उसी प्रारूप को (पहले दो बंद) स्वीकार करेगी, जिसे राष्ट्रीय आंदोलन की आम सहमति की अभिव्यक्ति के रूप में 1937 में कांग्रेस कार्य समिति ने स्वीकार किया था और जिसे उसी आम सहमति की निरंतरता में आगे चलकर संविधान सभा ने भी श्राष्ट्र गीतञ् के रूप में स्वीकार किया था, संघ परिवार ने बाकायदा इसे आने वाले समय में अपने सांप्रदायिक प्रचार का एक प्रमुख हथियार बनाने का जैसे ऐलान ही कर दिया है। इस अभियान में पूरा जोर यह साबित करने पर है कि वंदे मातरम् के सभी छरू बंद गाना स्वीकार नहीं करने का अर्थ हैकृमुस्लिम तुष्टीकरण। यहां तक कि इस प्रचार में उन्होंने कांग्रेस को लीग कहना भी शुरू कर दिया है। इस खेल का मकसद है, शासन द्वारा अनुमोदित तथा कानूनी सजा का डर दिखाकर, गैर–मूर्तिपूजकों पर, जिनमें तमाम धार्मिक अल्पसंख्यकों के अलावा बहुत से हिंदू तथा अधार्मिक भी शामिल हैं, एक मूर्ति–पूजा के संकेतों से भरा गीत थोपने के जरिए, अल्पसंख्यकों को और अधिकारहीन होने का अहसास कराया जाए और अपने राजनीतिक विरोधियों को श्अल्पसंख्यकपरस्तञ् बताकर, अपने पक्ष में बहुसंख्यकों का राजनीतिक ध्रुवीकरण किया जाए। कहने की जरूरत नहीं है कि वंदे मातरम के आदर का पाखंड रचकर, उसे वास्तव में एक सांप्रदायिक हथियार में तब्दील करने का संघ–भाजपा के खेल का एक हद तक तो तभी उजागर हो गया था, जब मोदी मंत्रिमंडल ने किसी भी तरह की व्यापक चर्चा के बिना ही अचानक राष्ट्र गीत, श्वंदे मातरम्ञ् की डेढ़ सौवीं सालगिरह के वर्ष का, देश भर में जोर–शोर पालन करने का ऐलान किया था। इसके चंद रोज बाद ही, 7 नवंबर 2025 को राजधानी में इन आयोजनों का उद्घाटन करते हुए अपने संबोधन में नरेंद्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया कि इस वर्ष के पालन का असली मकसद, राष्ट्रीय आंदोलन की मुख्यधारा के, जिसका नेतृत्व तब की कांग्रेस करती थी, आशयों, मंतव्यों तथा चिंताओं के सांप्रदायिक विकृतिकरण को आगे बढ़ाना और राष्ट्रीय आंदोलन की समावेशी सर्वानुमति की दुर्व्याख्या करना ही था। हैरानी की बात नहीं थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने न सिर्फ कांग्रेस के 1937 के अधिवेशन के, वंदे मातरम के पहले दो अंतरे ही कांग्रेस के सभी आयोजनों में गाए जाने के निर्णय को, तथाकथित अल्पसंख्यक–तुष्टीकरणञ् का सबूत ही नहीं बना दिया बल्कि इस निर्णय को देश के विभाजन की नींव डालने वाला भी बना दिया। यह तथ्य अब काफी हद तक आम जानकारी में है कि बंकिमचंद्र ने, जो ब्रिटिश राज के डिप्टी मजिस्ट्रेट थे, वंदे मातरम की रचना दो चरणों में की थी। साहित्य के जानकारों के अनुसार इस गीत पहला हिस्सा, जो बंगाल की धरती या बंग माता के प्रशस्तिगान के रूप में है और कोई भी पाठक उससे मातृभूमि की वंदना के रूप में खुद को जोड़ सकता है, बाद वाले हिस्से से न सिर्फ स्वतंत्र है बल्कि बिल्कुल अलग ही है, अपनी भाषा में भी और भाव में भी। बाद वाला हिस्सा, कुछ वर्षों के अंतराल से, तब जोड़ा गया जब बंकिमचंद्र ने अपने बहुचर्चित उपन्यास, श्आनंदमठञ् में पिरोने के लिए इस कविता का विस्तार किया। आनंदमठ की थीम के अनुरूप, बाद के हिस्से में बंग माता की कल्पना में हिंदू प्रतीकों तथा देवी रूपों की प्रधानता है। वंदे मातरम पहली बार आनंदमठ के हिस्से के रूप में ही लोगों के सामने आया था। आनंदमठ और खासतौर पर श्वंदे मातरम्ञ् की लोकप्रियता में बंगाल के क्रांतिकारी ग्रुपों के प्रभाव ने काफी मदद की थी। उन्नीसवीं सदी के आखिरी तथा बीसवीं सदी के आरंभिक दशकों में ये क्रांतिकारी ग्रुप मुख्यतरू हिंदू थे और देवी पूजा के कर्मकांड से भी काफी प्रभावित थे। बाद में धीरे–धीरे क्रांतिकारी ग्रुप धार्मिक विश्वासों के खोल से बाहर आए। बीस के दशक के मध्य से भगतसिंह और उनके साथियों ने क्रांतिकारी आंदोलन को समाजवादी लक्ष्यों से जोड़ा और भगत सिंह ने खुद श्मैं नास्तिक क्यों हूंञ् लिखकर क्रांतिकारियों के लिए धर्म के सहारे को अनावश्यक करार दे दिया। बहरहाल, 1905 में जब बंगाल के विभाजन के खिलाफ जबर्दस्त आंदोलन उठा, बंगाल में श्वंदे मातरम्ञ् गीत और उससे भी बढ़कर वंदे मातरम् का नारा, क्रांतिकारी घोष बन चुका था। दूसरी ओर, राष्ट्रीय आंदोलन की समावेशी प्रकृति के तकाजे भी पहले विचार के स्तर पर और फिर आंदोलन के स्तर पर पहचाने जा रहे थे। 1896 में जब कांग्रेस के अधिवेशन में पहली बार, रवींद्रनाथ टैगोर ने अपनी ही बनायी स्वर रचना के साथ श्वंदे मातरम्ञ् गाया, उसका पहला हिस्सा ही उसमें शामिल किया गया, जिसमें दो बंद शामिल थे, जिन्हें बाद में संविधान सभा ने राष्ट्र गीत का दर्जा दिया।

गीत

प्यार इज़्ज़त का नाम है राखी,
इक बहन का पयाम है राखी ।

प्रेम , विश्वास, नेह का सावन
छोर से छोर तक अनूठापन,
सच्चे रिश्ते की बोलती मूरत
त्याग का बोलता हुआ दर्पण
ख़ास होकर भी आम है राखी....

हर कलाई के सजने का दिन है
भाव के राज रजने का दिन है
जो समाया है कच्चे धागे में
वही संगीत बजने का दिन है
भावना का कलाम है राखी ...

हौसला सा बना है सरहद पर ,
हर सिपाही खड़ा है सरहद पर ।
उसकी सूनी कलाई का जैसे
कोई रिश्ता बंधा है सरहद पर
इज़्ज़तो एहतेराम है राखी

संगीता 'सुमन'

व्हीबी-जी राम-जी की पहली परीक्षा, रोजगार आधा क्यों हुआ?

अरुण डनायक

मनरेगा की अनेक कमियां समय–समय पर सामने आती रही हैं। भ्रष्टाचार, फर्जी जॉब कार्ड, भुगतान में देरी और परिसंपत्तियों की गुणवत्ता जैसे सरकार ने मनरेगा की जगह व्हीबी–जी राम–जी को उसका नया और बेहतर अवतार बताते हुए लागू किया था और दावा किया था कि यह पुरानी व्यवस्था की कमियों को दूर करते हुए ग्रामीण परिवारों को 100 के बजाय 125 दिनों के रोजगार की गारंटी देगी, रोजगार को ग्रामीण परिसंपत्तियों के निर्माण से जोड़ेगी तथा डिजिटल तकनीक से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाएगी। लेकिन शुरुआती आंकड़े ही एक असहज सवाल खड़ा कर रहे हैंकृजब रोजगार की गारंटी 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है, तो रोजगार पाने वाले परिवारों और सृजित व्यक्ति–दिवसों में लगभग आधी कमी क्यों आ गई? नई योजना के तहत प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को, जो अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हों, वर्ष में 125 दिनों के मजदूरी रोजगार की गारंटी दी गई। काम पूरा होने के पश्चात मजदूरी का भुगतान 15 दिनों के भीतर करने का प्रावधान रखा गया। इस प्रकार यह मनरेगा से एक कदम आगे की व्यवस्था दिखती है।लेकिन रोजगार के वास्तविक आंकड़े अलग कहानी कहते हैं। व्हीबी–जी राम–जी डैशबोर्ड के अनुसार जुलाई 2026 में केवल 7.67 करोड़ व्यक्ति–दिवस रोजगार सृजित हुआ, जो मनरेगा के तहत पिछले वर्ष के 15.33 करोड़ व्यक्ति–दिवस से करीब 50 प्रतिशत कम है। रोजगार पाने वाले परिवार भी 1.42 करोड़ से घटकर 68.94 लाख रह गए, यानी 51.45 प्रतिशत की कमी। यह गिरावट गंभीर है, क्योंकि ग्रामीण गरीब परिवार के लिए रोजगार का हर दिन उसकी आय और घरेलू खर्च से जुड़ा है। इसे महज प्रशासनिक आंकड़ा मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खास बात यह है कि व्हीबी–जी राम–जी के डैशबोर्ड पर जुलाई में 7.67 करोड़ व्यक्ति–दिवस दर्ज हैं, जबकि ग्रामीण विकास मंत्रालय लगभग नौ करोड़ व्यक्ति–दिवस रोजगार सृजन का दावा कर रहा है। ऐसे में आंकड़ों की एकरूपता और पारदर्शिता का सवाल उठना स्वाभाविक है। रोजगार गारंटी जैसी योजना का आकलन तभी संभव है, जब उसके आंकड़े स्पष्ट, समान आधार पर और नियमित रूप से सार्वजनिक किए जाएं। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, व्हीबी–जी राम–जी सुचारु रूप से लागू की गई है और 2026–27 के लिए 95,692 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो किसी ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के लिए अब तक का सबसे बड़ा बजट है। मंत्रालय के अनुसार, पहले महीने में लगभग नौ करोड़ व्यक्ति–दिवस रोजगार सृजित हुआ।

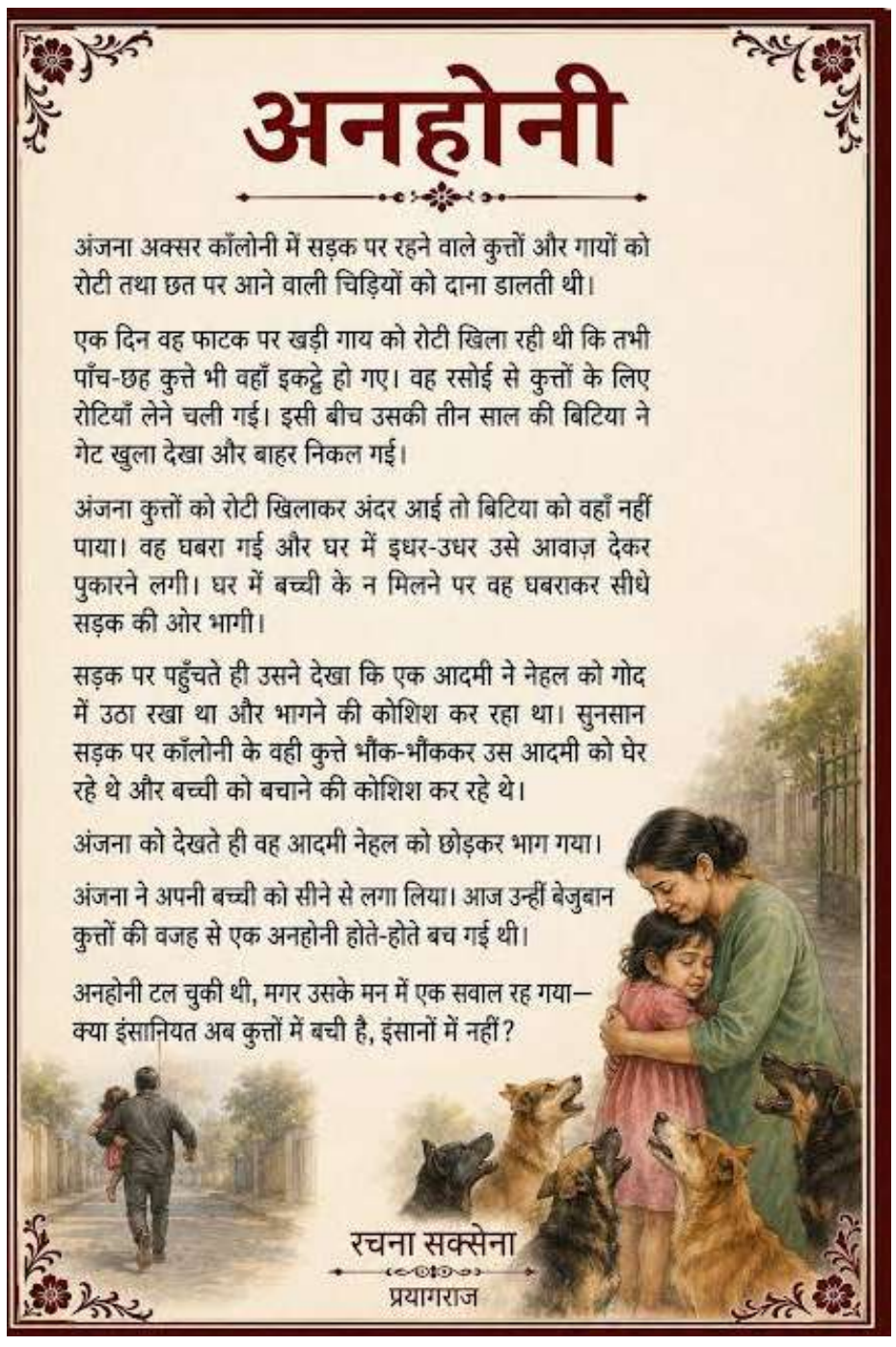

पत्रकार भी दिमागी नक्सल!

सत्ता के विरोध की आवाज को दबाना और कुचलना किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए अच्छे लक्षण नहीं हैं। यह तानाशाही का प्रतीक है कि अपने शासक की हर बात को सिर झुका कर सुना जाए, उस पर सवाल न उठाएं जाएं और सदा उसकी जय जयकार की जाए। खेद की बात है कि भारत में इस समय ऐसा ही माहौल बनता जा रहा है। हालांकि हमारा संविधान इतना मजबूत और कारगर है कि इसके उपाय किसी भी तानाशाही प्रवृत्ति को हावी नहीं होने देते, अगर ऐसे संकेत मिलते हैं तो जनता ही चेतावनी दे देती है। बावजूद इसके इस समय किसी न किसी तरीके से सत्ता विरोधियों के दमन की कोशिशें चल ही रही हैं। यह महज संयोग नहीं है कि दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर लाठियां और पैलेट गन चलाकर उन्हें संसद मार्च से रोका गया, उस दौरान बिहार में भी ऐसे ही प्रदर्शन हुए थे, जिसमें दमनकारी उपाय प्रशासन ने आजमाए और अब एक महीने बाद बिहार में फिर से अपना हक मांग रहे प्रदर्शनकारियों पर लाठियां और पानी की बौछारें पड़ रही हैं। इस एक महीने के बीच में देश ने 80वां स्वतंत्रता दिवस भी मना लिया, लेकिन आजाद खयालों को कुचलने के तरीके अब भी भाजपा की तरफ से आजमाए जा रहे हैं। गौरतलब है कि 15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री मोदी ने दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल किया था। जिस पर सभी को हैरानी हुई थी कि अर्बन नक्सल के बाद अब दिमागी नक्सल जैसी संज्ञा प्रधानमंत्री ने क्यों निकाली। अब उसका अभिप्राय समझ आ रहा है। भाजपा उन तमाम लोगों को दिमागी नक्सल बता रही है, जो सरकार से सवाल पूछते हैं। 20 अगस्त को भाजपा ने दिमागी नक्सल कौन है, ऐसे गीत के साथ एक वीडियो अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर डाला है, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल, पत्रकार राजदीप सरदेसाई, अभिनेता प्रकाश राज, यूट्यूबर ध्रुव राठी, और गायक विशाल ददलानी जैसे चेहरों को दिखाया गया है। राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल तो भाजपा की विरोधी पार्टियों के नेता हैं, लेकिन बाकी चारों भाजपा से राजनैतिक मुकाबला नहीं करते हैं, बल्कि वे उसकी नीतियों की आलोचना करते हैं। देश का संविधान इसकी इजाजत देता है। राजदीप सरदेसाई को भी भाजपा ने जिस तरह दिमागी नक्सल बताया है, उससे जाहिर होता है कि स्वतंत्र मीडिया से भाजपा को कितनी परेशानी होती है। आश्चर्य नहीं कि प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत लगातार गिरता जा रहा है, इस समय उसकी रैंकिंग 180 देशों में 157वां है। जब प्रधानमंत्री नॉर्वे गए हुए थे और वहां पत्रकार हेले लिंग ने उनसे सवाल पूछे तो भारतीय मीडिया के बहुत से लोगों ने उनकी काबिलियत पर ही सवाल उठा दिए। जबकि कायदे से पत्रकारों को भी यही पूछना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज तक एक भी खुली प्रेस कांफ्रेंस क्यों नहीं की, क्यों वो चुनिंदा पत्रकारों को स्क्रिप्ट आधारित साक्षात्कार देते हैं। जब उन्हें यकीन है कि जनता ने उन्हें बहुमत से जिताकर सत्ता सौंपी है, तो फिर इतनी बहादुरी भी दिखा दें कि सवालों का सामना कर लें। खैर सवालों से मोदी सरकार की चिढ़ का ही नतीजा है कि राजदीप सरदेसाई को दिमागी नक्सल बताया गया। गनीमत है कि इस पर एडिटर्स गिल्ड ने आलोचनात्मक बयान जारी किया है और कहा कि पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ टीवी पत्रकार राजदीप सरदेसाई को श्दिमागी नक्सलञ् बताना पूरी तरह गलत है।

गिल्ड ने कहा कि राजदीप सरदेसाई ने अपने लंबे पत्रकारिता जीवन में समाचारों और राजनीतिक घटनाक्रमों का पेशेवर और निष्पक्ष विश्लेषण किया है। ऐसे पत्रकार को इस तरह के राजनीतिक लेबल देना न केवल उनकी प्रतिष्ठा पर हमला है बल्कि पूरे मीडिया जगत के लिए चिंताजनक संकेत है। गिल्ड ने कहा कि सबसे गंभीर बात यह है कि यह हमला किसी अनजान समूह या सोशल मीडिया ट्रोल की ओर से नहीं बल्कि सत्ता पक्ष के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से किया गया है। गिल्ड ने कहा कि किसी पत्रकार को सिर्फ इसलिए सार्वजनिक रूप से बदनाम करना कि वह सरकार से सवाल पूछता है या उसकी नीतियों का विश्लेषण करता है, लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रेस की स्वतंत्रता के खिलाफ है। एडिटर्स गिल्ड ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारों का काम सरकार से सवाल पूछना, नीतियों की समीक्षा करना और जनता तक तथ्य पहुंचाना है। यदि पत्रकारों को राजनीतिक विरोधी या दुश्मन की तरह पेश किया जाएगा तो इससे मीडिया की स्वतंत्रता कमजोर होगी। गिल्ड ने कहा कि भारत के संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की जो गारंटी दी गई है, ऐसे हमले उसकी भावना के विपरीत हैं।

आल्हा छंद

राखी गीत

सावन लेकर राखी आया, आओ गाएँ मंगल गीत।
भाई–बहना का पावन बंधन, महके आँगन प्रेम–पुनीत।।

बहना राखी लेकर आई, खुशियाँ लेकर स्नेह अपार।
तिलक लगाकर माथे पर वह, करती मीठा झगड़ा प्यार।।
रेशम धागा प्रेम सजाए, नित्य निभाती पावन रीत।
सावन लेकर राखी आया, आओ गाएँ मंगल गीत।।

भाई देता बहना को फिर, जीवन–भर रक्षा उपहार।
बहना माँगे सुख की छाया, खुशहाल रहे सब परिवार।।
बचपन की वे मीठी यादें, मुख पर छाई लाली जीत।
सावन लेकर राखी आया, आओ गाएँ मंगल गीत।।

दूर बसे जो भाई–बहना, हर पल मन से रहते पास।
रिश्तों की यह डोर हमेशा, बाँधे रखती मन की आस।।
प्रेम–स्नेह से महके आँगन, हर मुख पर छाए नवप्रीत।
सावन लेकर राखी आया, आओ गाएँ मंगल गीत।।

उमा मिश्रा "प्रीति"

रक्षाबंधन पर खास: इन बॉलीवुड भाइयों की बहनों से है बेहद खास बॉन्डिंग

रक्षाबंधन भाई–बहन के रिश्ते का सबसे खास और भावनात्मक त्योहार माना जाता है। यह रिश्ता प्यार, विश्वास, देखभाल और एक–दूसरे का साथ निभाने की भावना से जुड़ा होता है। बॉलीवुड सितारे अपनी फिल्मों और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं, लेकिन परिवार के साथ उनका रिश्ता भी फैंस के बीच काफी चर्चा में रहता है। खासकर अपनी बहनों के साथ इन सितारों की बॉन्डिंग कई बार सोशल मीडिया और पब्लिक इवेंट्स में देखने को मिलती है। इस रक्षाबंधन के मौके पर जानते हैं कुछ ऐसे बॉलीवुड भाइयों और बहनों की खास बॉन्डिंग के बारे में।

रणवीर सिंह और रितिका भवनानी

रणवीर सिंह अपनी बड़ी बहन रितिका भवनानी के बेहद करीब हैं। अभिनेता कई मौकों पर अपनी बहन के प्रति प्यार और सम्मान जाहिर कर चुके हैं। रितिका उनके लिए सिर्फ बहन ही नहीं बल्कि उनकी बड़ी सपोर्ट सिस्टम और चीयरलीडर भी रही हैं। रणवीर की जिंदगी और करियर के उतार–चढ़ाव में रितिका हमेशा उनके साथ खड़ी नजर आई हैं। दोनों की बॉन्डिंग भाई–बहन के खूबसूरत रिश्ते की मिसाल है।

कार्तिक आर्यन और कृतिका तिवारी

कार्तिक आर्यन और उनकी बहन कृतिका तिवारी के बीच भी काफी मजबूत बॉन्डिंग है। दोनों सोशल मीडिया पर एक–दूसरे की टांग खींचते और मजेदार पल शेयर करते नजर आते हैं। कार्तिक के संघर्ष के दिनों से लेकर उनकी सफलता तक कृतिका हमेशा उनके साथ रही हैं। भाई–बहन की यह जोड़ी अपने दोस्ताना अंदाज के लिए भी पसंद की जाती है।

रणबीर कपूर और रिद्धिमा कपूर साहनी

रणबीर कपूर और रिद्धिमा कपूर साहनी का रिश्ता कपूर परिवार की मजबूत बॉन्डिंग को दिखाता है। दोनों अपने–अपने प्रोफेशन में सक्रिय हैं, लेकिन परिवार के प्रति उनका जुड़ाव हमेशा देखने को मिलता है। रिद्धिमा अक्सर अपने भाई की उपलब्धियों पर गर्व जताती हैं, वहीं रणबीर भी अपनी बहन और परिवार के बेहद करीब हैं।

सलमान खान, अलवीरा और अर्पिता के साथ खास रिश्ता

सलमान खान का अपनी दोनों बहनों अलवीरा खान अग्निहोत्री और अर्पिता खान शर्मा के साथ बेहद खास रिश्ता है। सलमान अक्सर अपनी बहनों और परिवार के साथ खास मौकों पर समय बिताते नजर आते हैं। उनकी बहनों के साथ उनकी बॉन्डिंग कई बार सोशल मीडिया पोस्ट और फैमिली सेलिब्रेशन में देखने को मिलती है। सलमान के लिए परिवार हमेशा प्राथमिकता रहा है और उनकी बहनों के साथ उनका रिश्ता इसका उदाहरण है।

सैफ अली खान और सबा–सोहा

सैफ अली खान अपनी दोनों बहनों सबा अली खान और सोहा अली खान के साथ भी मजबूत रिश्ता साझा करते हैं। तीनों ने अपने–अपने क्षेत्रों में अलग पहचान बनाई है, लेकिन परिवार के प्रति उनका जुड़ाव आज भी उतना ही मजबूत है। खास मौकों पर तीनों को साथ देखा जाता है और एक–दूसरे के लिए उनका प्यार और सम्मान साफ नजर आता है।

अभिषेक बच्चन और श्वेता बच्चन नंदा

अभिषेक बच्चन और श्वेता बच्चन नंदा की बॉन्डिंग भी काफी खास है। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर एक–दूसरे के लिए प्यार जाहिर करते हैं। श्वेता अपने भाई के करियर और उपलब्धियों को लेकर हमेशा गर्व जताती हैं, जबकि अभिषेक भी अपनी बहन के साथ मजबूत रिश्ता साझा करते हैं। दोनों की दोस्ताना बॉन्डिंग बताती है कि भाई–बहन का रिश्ता समय के साथ और गहरा हो सकता है।

ऋतिक रोशन, सुनैना और पश्मीना रोशन

ऋतिक रोशन अपनी बहन सुनैना रोशन और कजिन सिस्टर पश्मीना रोशन के भी काफी करीब हैं। ऋतिक अपने परिवार के साथ मजबूत रिश्ता साझा करते हैं और कई मौकों पर परिवार के सदस्यों को सपोर्ट करते नजर आए हैं। पश्मीना भी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही हैं और ऋतिक उनके लिए परिवार के साथ–साथ एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम रहे हैं। रक्षाबंधन का त्योहार इन रिश्तों को सेलिब्रेट करने का मौका देता है। बॉलीवुड के ये भाई–बहन भी यह साबित करते हैं कि ग्लैमर और शोहरत की दुनिया से अलग परिवार का प्यार और साथ जिंदगी की सबसे बड़ी ताकत होता है। सफलता के हर पड़ाव पर अपने भाई–बहनों का साथ इन सितारों के रिश्ते को और खास बनाता है।

समय रैना का बदला समय, कभी जेल भिजवाना चाहती थी सरकार.. अब खुद बुलाकर सीएम देवेंद्र फडणवीस ने किया सम्मानित

अपने शो इंडियाज गॉट लेटेंट को लेकर महाराष्ट्र साइबर सेल से पूछताछ का सामना करने के बाद, कॉमेडियन समय रैना ने साइबर सेल द्वारा जागरूकता फैलाने के लिए सम्मानित किए जाने पर उनके साथ अपने पुराने अनुभवों को मजाकिया अंदाज में याद किया। समय को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साइबर अपराधों के बारे में जागरूकता फैलाने वाली एक फिल्म में हिस्सा लेने के लिए सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र साइबर ने अपनी साइबर–जागरूकता शॉर्ट फिल्म डिजिटल अरेस्ट और 1930 महाराष्ट्र साइबर एंथम को लॉन्च किया। दोनों प्रोजेक्ट्स में योगदान देने वाले रैना ने उस समय के बारे में भी बात की जब साइबर सेल यूनिट ने उनके ल्वनज्नइम शो इंडियाज गॉट लेटेंट में की गई विवादित टिप्पणियों से जुड़ी शिकायतें दर्ज की थीं। रैना ने कहा, महाराष्ट्र साइबर और मेरा पुराना नाता है, जिससे फडणवीस और मनोरंजन जगत की अन्य हस्तियां ठहाके लगाकर हंस पड़ीं। इसके बाद उन्होंने मजाक में कहा कि साइबर सेल कितना एक्टिव है। समय ने कहा, महाराष्ट्र साइबर सेल बहुत एक्टिव है। मैं पक्के तौर पर कह सकता हूं कि आज पहली बार किसी साइबर सेल अधिकारी ने किसी कॉमेडियन को उसके घर से सिर्फ सम्मानित करने के लिए बुलाया। इस टिप्पणी पर फडणवीस जोर–जोर से हंसने लगे। समय ने इस बात पर भी मजाक किया कि उन्होंने महाराष्ट्र साइबर का नंबर पहले से ही सेव कर रखा था क्योंकि इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद के दौरान उन्हें अक्सर उनके फोन आते थे। उन्होंने कहा, सम्मान के लिए धन्यवाद, सर। महा साइबर के साथ मेरा जुड़ाव बहुत लंबे समय से है। 1930 वाकई एक बढ़िया नंबर है। मैंने इसे असल में सेव कर रखा है क्योंकि मुझे अक्सर वहां से फोन आते हैं। समय ने सबसे पहले 2017 से कई ओपन माइक इवेंट्स में परफॉर्म किया। उन्होंने पुणे में अनिर्बान दासगुप्ता और अभिषेक उपमन्यु जैसे जाने–माने कॉमेडियंस के लिए ओपनिंग एक्ट करना शुरू किया। 2019 में, कॉमेडियन आकाश गुप्ता के सुझाव पर उन्होंने कॉमिकस्तान 2 में हिस्सा लिया। बाद में, वह कॉमिक्सटान 2 के संयुक्त विजेता बने। 2025 में, उन्होंने पूरे भारत में स्टिल अलाइव एंड अनफिल्टर्ड नाम के एक देशव्यापी टूर की घोषणा की। उनके शो इंडियाज गॉट लेटेंट से जुड़े विवाद के बाद इसे उनकी वापसी (कमबैक) के तौर पर देखा गया। यह टूर 15 अगस्त को बेंगलुरु में शुरू हुआ और 5 अक्टूबर को दिल्ली में खत्म हुआ। 2026 में, इस प्लेटफॉर्म से लगभग एक साल की दूरी के बाद, उन्होंने यूटयूब पर अपना पहला कॉमेडी स्पेशल स्टिल अलाइव रिलीज किया, जो ल्वनज्नइम पर सबसे ज़्यादा देखा जाने वाला स्टैंड–अप कॉमेडी स्पेशल बन गया। बाद में उन्होंने नेटफिल इंडिया के साथ दो प्रोजेक्ट्स की घोषणा की, पहला उनके शो इंडियाज गॉट लेटेंट का दूसरा सीजन था, जो नेटफिल और यूटयूब दोनों पर स्ट्रीम होना था, और दूसरा एक नया स्टैंड–अप स्पेशल था।

सुखी वैवाहिक जीवन जीने के लिए अमिताभ बच्चन ने दी पतियों को सलाह, बोले- ये तारीख भूलना मत वरना...

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने शादी की एक हल्की–फुल्की लेकिन जरूरी एडवाइस शेयर करके दर्शकों को हंसा–हंसाकर लोटपोट कर दिया। कौन बनेगा करोड़पति 18 में एक कंटेस्टेंट से बात करते हुए, एक्टर ने एक कंटेस्टेंट की तारीफ की कि उसे अपनी पहली मुलाकात और शादी की सालगिरह दोनों की सही तारीखें याद थीं। लेजेंडरी एक्टर ने आगे पतियों को ऐसे जरूरी माइलस्टोन्स को भूलने के खिलाफ चेतावनी दी, और एडवाइस में अपना ट्रेडमार्क ह्यूमर भी जोड़ा। कंटेस्टेंट और दर्शकों के बीच पतियों को संबोधित करते हुए, अमिताभ ने कहा, "जितने भी यहां पति लोग हैं, एक बात ध्यान से सुन लीजिए। जिस दिन आपका ब्याह हुआ था अपनी पत्नी के साथ, सारी दुनिया को भूल जाइए, उस तारीख को कभी मत भूलिएगा। यह बहुत ही जरूरी तारीख होती है, और पत्नियां जो हैं वो बार–बार पूछती रहती हैं कि तुमको मालूम है हमारा ब्याह कब हुआ था ? और कहीं आपने गलती कर दी भाई साब, तो जूता, चप्पल, बेलन सब चल पड़ेगा। (सभी पतियों, ध्यान से सुनो। जिस दिन तुम्हारी शादी हुई थी, दुनिया की हर तारीख भूल जाओ, लेकिन उस तारीख को कभी मत भूलना। यह बहुत जरूरी तारीख होती है। पत्नियों की आदत होती है बार–बार पूछने की, क्या तुम्हें याद है हमारी शादी कब हुई थी ? और सज्जनों, अगर तुम उस तारीख को गलत बता दोगे, तो जूते, चप्पल, बेलन, सब कुछ उड़कर तुम्हारी तरफ आ सकता है) एक्टर की इस मजेदार चेतावनी पर लाइव ऑडियंस हंस पड़ी।

अमिताभ, जिनकी शादी बॉलीवुड स्टार जया बच्चन से हुई है, ने हाल ही में अपनी पत्नी के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की थी। एक और बातचीत में, उन्होंने बताया कि जब भी किसी शूट की वजह से उन्हें डिनर के लिए देर हो सकती है, तो वह अपने परिवार को पहले से बता देते हैं, मजाक में कहा कि इससे उन्हें जया के सवालों से बचने में मदद मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि जब घर पर कोई घरेलू मदद नहीं होती है, तो वह घर के काम खुद ही करते हैं। यह मानते हुए कि खाना बनाना उनकी ताकत नहीं है, वह कभी–कभी जया से उनके लिए कुछ बनाने के लिए कहते हैं, जो फिर उत्साहित होकर उनके लिए अलग–अलग डिश बनाती हैं, और उनसे पूछती हैं कि क्या उन्हें वे पसंद आईं। उन्होंने हाल ही में शो में जया को उनके लिए आम की खीर बनाने के लिए धन्यवाद भी दिया, जब उन्होंने रेगुलर खीर खाना बंद कर दिया था।

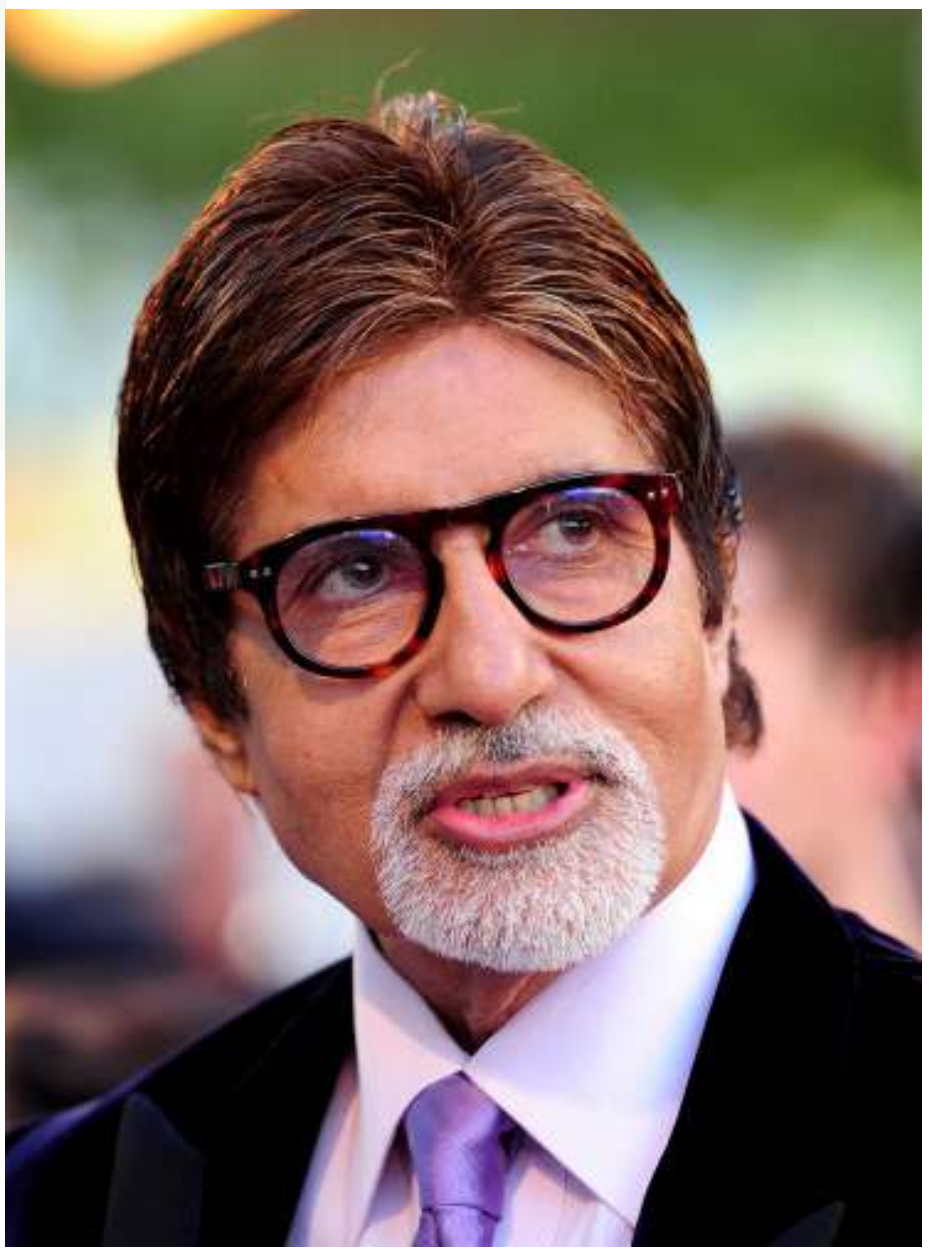

प्रियंका की रीसेट से इस एक्टर ने बनाई दूरी, शूटिंग से पहले लिया फैसला

प्रियंका चोपड़ा और ओरलैंडो ब्लूम की अपकमिंग फिल्म 'रीसेट' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओरलैंडो ब्लूम ने शूटिंग शुरू होने से कुछ दिन पहले ही इस फिल्म से दूरी बना ली है। टीएमजेड की रिपोर्ट के अनुसार, ओरलैंडो ब्लूम इस सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ एक्टिंग करने के साथ–साथ इसे को–प्रोड्यूस भी करने वाले थे। वह फिल्म के प्री–प्रोडक्शन के दौरान भी प्रोजेक्ट से जुड़े हुए थे, लेकिन शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले उन्होंने फिल्म छोड़ दी। रिपोर्ट के मुताबिक, अब मेकर्स ओरलैंडो के किरदार के लिए तीन एक्टर्स पर विचार कर रहे हैं। टीम जल्द ही इनमें से किसी एक को फाइनल कर सकती है, ताकि फिल्म की शूटिंग तय समय पर शुरू हो सके। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 'रीसेट' की फंडिंग और इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन प्लान में ओरलैंडो की मौजूदगी काफी अहम थी। फिल्म को प्रियंका और ओरलैंडो दोनों के प्रोजेक्ट से जुड़े होने के आधार पर सपोर्ट मिला था। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म की प्रोड्यूसर भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ओरलैंडो की जगह किस एक्टर को लिया जाएगा, इसका आखिरी फैसला प्रियंका ही करेंगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा के पास इस समय कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वह जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने वाली हैं। फिल्म में वह महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इसमें ऑस्कर विनिंग म्यूजिक कंपोजर एमएम कीरावाणी का संगीत है। फिल्म 7 अप्रैल 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके अलावा प्रियंका प्राइम वीडियो की 'सिटाडेल' के दूसरे सीजन में एक बार फिर नादिया सिंह के किरदार में नजर आएंगी। वह हॉलीवुड स्टार रसेल क्रो के साथ साइंस–फिक्शन एक्शन थ्रिलर 'ब्लूफ्लाई' में भी दिखाई देंगी।

डॉली पार्टन के निधन पर प्रियंका चोपड़ा और करीना कपूर ने दी भावुक श्रद्धांजलि

डॉली पार्टन का निधन 25 अगस्त को 80 साल की उम्र में हुआ। उनके निधन की जानकारी उनके भतीजे ने दी। उन्होंने डॉली के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक भावुक वीडियो शेयर कर उनके निधन की जानकारी दी। इस खबर के सामने आने के बाद दुनियाभर से फैंस और सेलेब्स डॉली पार्टन को याद कर रहे हैं और उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा ने डॉली पार्टन का एक पुराना इंटरव्यू वीडियो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'आप कभी कहीं नहीं जाएंगी... हमेशा हमारे साथ रहेंगी... रेस्ट इन पीस।'करीना कपूर ने भी डॉली पार्टन के निधन पर कई पोस्ट शेयर किए। एक पोस्ट में उन्होंने डॉली की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'माय गर्ल, लव यू फॉरएवर।'इसके बाद करीना ने डॉली पार्टन का एक मशहूर कोट शेयर किया, जिसमें लिखा था, 'अगर आपको इंद्रधनुष चाहिए, तो बारिश भी झेलनी पड़ेगी।' इसके साथ करीना ने लिखा, 'उफ्फ क्वीन थिंग्स।' करीना ने एक और तस्वीर शेयर की, जिसमें ऐसा कोट लिखा था कि ऐसी विरासत बनानी चाहिए जो दूसरों को सपने देखने, सीखने, कुछ बड़ा करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे। करीना ने इसके साथ लिखा, 'लीडर फॉरएवर।' प्रियंका और करीना की इन पोस्ट से साफ है कि डॉली पार्टन का असर सिर्फ उनके संगीत तक सीमित नहीं था। उनकी बातें, उनका अंदाज और उनकी शख्सियत दुनियाभर के लोगों को प्रेरित करती रही।

बादाम और शहद के फेस पैक से स्किन बनेगी हेल्दी और जवां, ऐसे करें अप्लाई

खूबसूरत और हेल्दी स्किन पाने के लिए रोजाना अपनी स्किन की देखभाल करता बेहद जरूरी होता है। इसके अलावा स्किन को हेल्दी रखने के लिए कड़े कदम भी उठाने होते हैं। हालांकि हेल्दी स्किन पाने के लिए लोग स्किन ट्रीटमेंट का भी सहारा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि अपनी स्किन को हेल्दी बनाए रखने के लिए आपको बाहरी प्रोडक्ट्स की नहीं, बल्कि केवल बादाम और शहद की जरूरत होती है। तो आज इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह से बादाम और शहद से बने फेस पैक का इस्तेमाल कैसे करें और इससे आपकी स्किन को कैसे फायदा पहुंचेगा।

ऐसे पाएं बेदाग त्वचा

बादाम

शहद

बादाम को फेस पर लगाने के फायदे

बादाम को फेस पर लगाने से आपकी स्किन को नेचुरल ऑयल मिलता है।

इसमें मौजूद तत्व स्किन को लचीला और जवां बनाए रखते हैं।

फेस पर ग्लो लाने के लिए बादाम का तेल काफी ज्यादा फायदेमंद होता है।

फेस पर शहद लगाने के फायदे

एक स्टडी के मुताबिक शहद स्किन को नैचुरली एक्सफोलिएट करने में फायदेमंद होता है।

चेहरे में मौजूद पोर्स को शहद साफ करने में मदद करता है।

स्किन को मुलायम करने में शहद काफी फायदेमंद साबित होता है।

इसके अलावा शहद स्किन को मॉइस्चराइज करने में मददगार होता है।

बेदाग त्वचा पाने के लिए

शहद और बादाम का फेस पैक बनाने के लिए आप 5–7 बादाम को रात में पानी में भिगोकर रख दें।

इसके बाद अगले दिन भिगोए हुए बादामों को अच्छे से पीस लें।

फिर इसमें 2–3 चम्मच शहद मिला दें।

अब इन दोनों चीजों को अपने फेस पर अप्लाई करें।

इसके बाद नॉर्मल पानी से चेहरा साफ कर लें।

यह फेस पैक आप सप्ताह में दो बार अप्लाई कर सकती हैं।

इसके फेस पैक को लगातार फेस पर अप्लाई करने से स्किन बेदाग और निखरी नजर आती है।

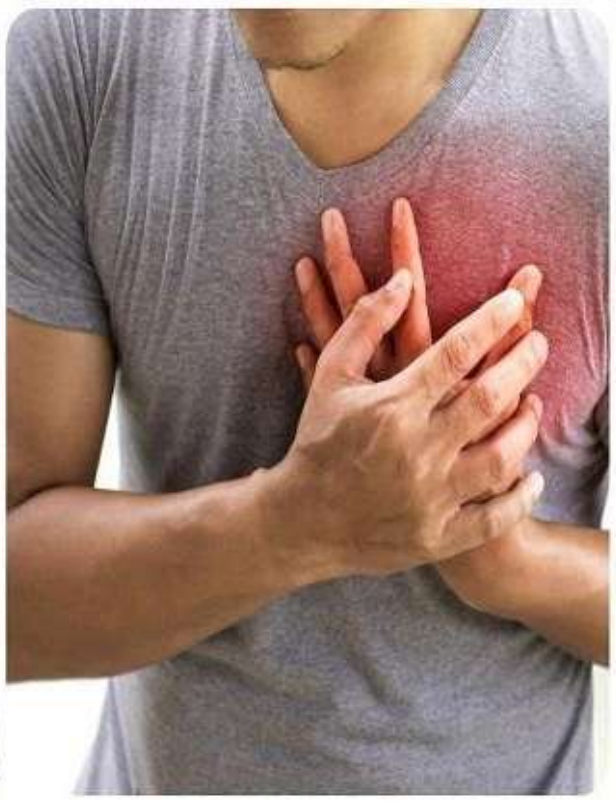

हार्ट अटैक आने से पहले महिला और पुरुष में दिखते हैं अलग–अलग संकेत, जानें किसे है ज्यादा खतरा

'द लांसेट डिजिटल हेल्थ पत्रिका में प्रकाशित नये अध्ययन में दावा किया गया है कि लोग अचानक दिल का दौरा पड़ने से पहले कुछ चेताने वाले लक्षणों का सामना करते हैं जो महिलाओं और पुरुषों में अलग–अलग होते हैं। बताया गया है कि महिलाओं को अचानक हृदयाघात से पहले सामान्य तौर पर सांस लेने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है, वहीं पुरुषों को सीने में दर्द की शिकायत होती है।

24 घंटे पहले दिखते हैं ये लक्षण

अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित केडर्स–सिनाई मेडिकल सेंटर के स्मिट हार्ट इंस्टीट्यूट के नेतृत्व में किये गये अध्ययन में यह दावा किया गया है। दोनों लिंगों के कुछ छोटे उपसमूहों के लोगों में धड़कन तेज होने और बुखार आने जैसे लक्षण भी देखे गये। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि आकस्मिक दिल के दौरे के शिकार हुए लोगों को हृदयगति रुकने से 24 घंटे पहले सीने में दर्द, सांस लेने में कठिनाई और धड़कन अनियमित होने जैसे लक्षणों में से कम से कम एक का सामना करना पड़ा।

पहले ही मिल जाती है हार्ट अटैक की चेतावनी

अध्ययन में कहा गया है कि इस तरह की चेतावनियों को समझकर आपात स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत वाले लोगों की आकस्मिक मृत्यु को टाला जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, हार्ट अटैक के एक साल के अंतर पुरुषों की तुलना में महिलाओं की जान का खतरा ज्यादा रहता है। यह भी कहा गया है कि पहले हार्ट अटैक के 5 साल के अंदर मौत, हार्ट फेलियर या स्ट्रो का रिस्क 47: पाया गया है, जबकि पुरुषों में यह करीब 36: तक हो सकता है।

महिलाओं की जान को खतरा

अध्ययन के लेखक सुमित चुघ ने कहा– ''हमारे निष्कर्ष अचानक हृदयाघात को रोकने के लिए नये प्रतिमान तय कर सकते हैं।'' अध्ययन के अनुसार अस्पताल से बाहर अचानक से दिल का दौरा पड़ने के 90 प्रतिशत मामलों में रोगी की जान चली जाती है और इसलिए बेहतर पूर्वानुमान तथा इस स्थिति की रोकथाम की तत्काल जरूरत है। अनुसंधानकर्ताओं ने इस अध्ययन के लिए अमेरिका के दो समुदाय आधारित अध्ययनों के आंकड़ों का इस्तेमाल किया। दोनों ही अध्ययन चुघ ने किये थे।

महिलाओं में हार्ट अटैक के लक्षण

–थकान

–सीने में दर्द

–गर्दन या जबड़े में दर्द

–जकड़न

–चक्कर आना, जी मिचलना।

–सांस से जुड़ी कोई समस्या।

इसके अलावा कंधों में दर्द भी आमतौर पर महिलाओं में हार्ट अटैक से जुड़ा हो सकता है।

पुरुषों में हार्ट अटैक के लक्षण

–एक या दोनों तरफ हाथों में दर्द

– जकड़न

–सीने में दर्द या बेचौनी

–बाएं हाथ–जबड़े में दर्द

–जी मिचलाना

कई बार देखा गया है कि हार्ट अटैक से पहले पुरुषों के पेट में दर्द भी होता है।

किन महिलाओं में हार्ट अटैक की संभावना ज्यादा

अक्सर उन महिलाओं में हार्ट अटैक की संभावनाएं ज्यादा देखने को मिलती हैं जो ज्यादातर तनाव में रहती हैं, जिनकी फैमिली में हार्टअटैक की हिस्ट्री है। इसके अलावा मेनोपॉज में हृदय रोगों के कुछ जोखिम कारक शामिल हैं। महिलाओं में मेनोपॉज के बाद कार्डियोवैस्कुलर डिजीज का खतरा बढ़ जाता है।

सेहत के लिए वरदान है किशमिश का पानी, इन बीमारियों की कर देगा छुट्टी

ड्राई फ्रूट्स स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते है। रोजाना इनका सेवन करने से शरीर को कई तरह के फायदे होते हैं। ड्राई फ्रूट्स की बात करें तो उन्हीं में से एक है किशमिश कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है इसका सेवन करने से कई तरह की बीमारियों से भी राहत मिलती है। रात में इसे भिगोकर खाने से सेहत को और भी कई फायदे होते हैं। सिर्फ किशमिश ही नहीं बल्कि इसका पानी भी स्वास्थ्य के लिए वरदान माना जाता है।

तो चलिए आज आपको बताते हैं इसका पानी पीने से सेहत को क्या–क्या फायदे होंगे....

डायबिटिज कंट्रोल

इस पानी का सेवन करके आप डायबिटीज जैसी खतरनाक बीमारी को कंट्रोल कर सकते हैं। इसमें कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं जो ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

शरीर होगा डिटॉक्स

इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स के ऐसे कई कंपाउंड्स मौजूद होते हैं जो शरीर में से फ्री रेडिकल्स बाहर निकालते हैं। रोजाना इस पानी का सेवन करने से शरीर में मौजूद विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं और बॉडी साफ होती है।

कमजोरी होगी दूर

एक्सपर्ट्स के अनुसार, किशमिश का पानी कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होता है जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आयरन शरीर की कमजोरी दूर होती है और शरीर शक्तिशाली बनता है।

पाचन होगा मजबूत

इस पानी का सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है। पेट के लिए यह पानी बेहद लाभकारी माना जाता है। इसमें फाइबर की मात्रा काफी अच्छी मात्रा में पाई जाती है जिससे खाना अच्छी तरह से पचता है। इसके अलावा यह पानी, ब्लोटिंग, गैस, अपच जैसी समस्याओं से राहत दिलवाने में भी मद करता है।

इम्यूनिटी होगी मजबूत

किशमिश का पानी इम्यूनिटी मजबूत बनाने में भी मदद करता है। इसमें पाए जाने वाला विटामिन–सी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बनाने में मदद करता है। कई शोधों में यह बात साबित हुई है कि किश्मिश का सेवन करने से प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार होता है।

वजन होगा कम

यह पानी वजन कम करने में भी मदद करता है। शोध के अनुसार, किशमिश में मौजूद डाइटरी फाइबर और प्रीबायोटिक मौजूद होता है। यह दोनों ही तत्व पेट में अच्छे व स्वस्थ बैक्टीरिया को बनाने के साथ–साथ वजन नियंत्रित करने में भी मदद करते हैं। लेकिन सिर्फ इस पानी के साथ–साथ नियमित व्यायाम और अच्छी डाइट पर ध्यान देकर आप वजन कंट्रोल कर सकते हैं।

कैसे करें इसका सेवन?

रात में एक गिलास गर्म पानी में कुछ किशमिश भिगो दें। सुबह इस पानी को गर्म करके इसका सेवन करें। यह पानी आप कभी भी पी सकती हैं। हालांकि लंच ले पहले इसका सेवन करने से कई तरह के फायदे मिलते हैं।

सिर्फ रक्षाबंधन के दिन खुलता है बिहार का यह अनोखा मंदिर, आप भी बना लें दर्शन का प्लान

सिर्फ देश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में भारत की संस्कृति और आध्यात्म की चर्चा होती है। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम तक ऐसे असंख्य मंदिर हैं। जिनकी पौराणिक कथा पूरी दुनिया में फेमस है। बता दें कि बिहार राज्य में एक ऐसा मंदिर है, जहां पर एक ऐसा मंदिर मौजूद है, जिसके बारे में काफी चर्चा हो रही है। सिर्फ रक्षाबंधन के दिन ही भाई–बहन इस मंदिर में दर्शन करने पहुंचते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर इस मंदिर में भाई–बहन रक्षाबंधन के दिन ही क्यों दर्शन करने पहुंचते हैं। आइए जानते हैं इस मंदिर की पौराणिक कथा के बारे में...

बिहार में कहां है भाई–बहन मंदिर

इस आर्टिकल में भाई–बहन के जिस मंदिर के बारे में जिक्र हो रहा है, यह मंदिर बिहार के सिवान जिले में मौजूद हैं। भाई–बहन के नाम से फेमस यह मंदिर सिवान में भीखा

बांध गांव में है। सिवान और आसपास के शहरों में इस मंदिर को भाई–बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक माना जाता है। इस मंदिर को भईया–बहिनी के नाम से भी जाना जाता हैं।

पौराणिक कथा

सिवान में स्थित भाई–बहन मंदिर का इतिहास करीब 500 साल से ज्यादा पुराना है। पौराणिक मान्यता के मुताबिक पुराने समय में इस जगह पर एक भाई–बहन ने समाधि ले ली थी। भाई–बहन के समाधि लेने के बाद कई लोग इस स्थान की पूजा करने लगे। बताया जाता है कि समाधि लेने वाली जगह पर दो विशाल वृक्ष मौजूद हैं। दोनों ही पेड़ एक–दूसरे की रक्षा करते हैं। कई लोगों का मानना है कि आज तक किसी को इन दोनों वृक्ष की जड़ों के बारे में पता नहीं चल सका है।

क्या सच में मंदिर में नहीं है कोई मूर्ति

सिवान में स्थित इस मंदिर को लेकर एक दिलचस्प कहानी है कि इस मंदिर में किसी देवी–देवता की मूर्ति नहीं है। बताया जाता है कि यहां पर मिट्टी का एक पिंड है। भाई–बहन इस पिंड की पूजा करने के लिए पहुंचते हैं।

रक्षाबंधन पर क्यों जाते हैं भाई–बहन

धार्मिक मान्यता के मुताबिक भाई–बहन के लिए यह मंदिर बेहद ही खास है। ऐसे में रक्षाबंधन के दिन बिहार के इस अनोखे मंदिर में अपने भाइयों की कलाइयों पर बहनें राखी बांधने के लिए पहुंचते हैं। इस दौरान बहनें अपने भाइयों की खुशहाली, सलामती और तरक्की के लिए दुआ मांगती है। वहीं मंदिर में भाई अपनी बहनों की रक्षा का वजन देकर पूजा–अर्चना करते हैं।

इस मंदिर में दूर–दूर से पहुंचते हैं भाई–बहन

बता दें कि इस मंदिर में भाई–बहन के अलावा स्थानीय लोग और दूर–दूर से लोग पहुंचते हैं। कई भाई–बहन इस मंदिर में दर्शन करने के लिए एक–दो दिन पहले ही पहुंच जाते हैं। राखी के दिन यानी की रक्षाबंधन पर मेला का आयोजन किया जाता है।

कैसे पहुंचे भाई–बहन मंदिर

अगर आप भी भाई–बहन मंदिर के दर्शन करने के लिए जाना चाहते हैं, तो आप यहां आसानी से पहुंच सकते हैं। इसके लिए आप सिवान रेलवे स्टेशन पहुंच सकते हैं। इसके बाद सिवान रेलवे स्टेशन से कैब, टैक्सी या फिर लोकल बस से भीखा गांव पहुंच सकते हैं।

श्रीलंका ने पूरा जोर लगाकर ड्रॉ करा दिया दूसरा टेस्ट, मगर टीम इंडिया ने जीत ली सीरीज

कोलंबो,एजेंसी। टीम इंडिया और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला कोलंबो के एसएससी में खेला गया। इस मैच का नतीजा ड्रॉ के रूप में रहा। हालांकि, भारत ने इस सीरीज को 1–0 से अपने नाम कर लिया, क्योंकि पहला मैच भारत ने जीता था। दूसरे टेस्ट के आखिरी दिन भारत के पास मैच जीतने का मौका था, लेकिन दूसरी पारी में श्रीलंका के बाकी के 4 विकेट भारतीय गेंदबाज नहीं चटका सके। यहां तक कि 429 रन उन्होंने बना लिए और 200 से ज्यादा की बढ़त भी हासिल कर ली थी। इस मैच में श्रीलंका को टीम इंडिया ने फॉलोऑन दिया था। ऐसे में इस मैच का नतीजा मेजबान टीम के लिए जीत से कम नहीं है।

इस मुकाबले में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतने के बाद बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। टीम इंडिया ने देवदत्त पडिक्कल के 117 और ध्रुव जुरेल के नाबाद 115 रनों के दम पर 503ध्9 पर पारी घोषित कर दी थी। भारत को इसे बड़े स्कोर तक पहुंचाने में ऋषभ पंत, कप्तान शुभम गिल, यशस्वी जायसवाल और रविंद्र जडेजा की भी मदद लगी थी। पंत ने 63, गिल ने 50, यशस्वी ने 45 और जडेजा ने 43 रन बनाए थे।

वहीं, श्रीलंका की टीम पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरी तो सोनल दिनुशा के 103 और पसिंदु सूरयाबंदरा के 80 रनों के दम पर 290 तक पहुंच पाई। 213 रनों की बढ़त भारत के पास थी। ऐसे में टीम इंडिया ने फॉलोऑन लागू कर दिया और फिर से श्रीलंका की टीम बल्लेबाजी के लिए उतरी। चौथे दिन और पांचवें दिन श्रीलंका ने अच्छा खेल दिखाया। खासकर सोनल दिनुषा ने फिर से शतक जड़ा और टीम को हार से बचाया। श्रीलंका ने चौथी पारी में 9 विकेट खोकर 429 रन बनाए और फिर दोनों टीमों ने हाथ मिलाया। इस तरह मैच ड्रॉ रहा। श्रीलंका के पास 200 रनों से ज्यादा की बढ़त और करीब 17 ओवरों का खेल बचा था। ऐसे में इस मैच का नतीजा निकलने की संभावना खत्म हो गई थी। यही वजह रही कि दोनों टीमें इस मैच को ड्रॉ कराने पर राजी हो गईं। श्रीलंका की टीम के लिए दूसरी पारी में सोनल दिनुषा ने 264 गेंदों में 133 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि 92 रन अपना दूसरा ही मैच खेल रहे पसिंदु सूरियाबंदरा ने बनाए। 55 रनों की पारी कमिंदु मेंडिस ने भी खेली। 46 रन केशरा नुवांता ने बनाए, जो बहुत ज्यादा अहम थे, क्योंकि अगर वे आउट हो जाते तो फिर टीम मुश्किल में आ जाती।

संक्षिप्त

अपने आखिरी मैच में बेल्जियम का सामना करेगी भारतीय पुरुष टीम, सातवें स्थान के लिए होगा मुकाबला

एम्सटेलवीन,एजेंसी। पांच दशक बाद विश्व कप में पदक जीतने का सपना टूटने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम आखिरी मैच में जीत के साथ स्वदेश लौटना चाहेगी। शुक्रवार को होने वाले इस मुकाबले में उसके सामने सह मेजबान और मौजूदा प्रो लीग चैंपियन बेल्जियम को उसके मैदान पर हराने की कठिन चुनौती है। नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में पहले और दूसरे चरण के मैच खेलने वाली भारतीय टीम पूल ई में चौथे स्थान पर रहने के बाद सातवें/आठवें स्थान का क्लासीफिकेशन मुकाबला खेलने यहां आई है। लेकिन हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम की राह इतनी आसान नहीं है क्योंकि उसके सामने 2018 विश्व कप चैंपियन दुनिया की दूसरे नंबर की टीम है जो टूर्नामेंट शुरू होने से पहले खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी। बेल्जियम भी सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने के झटके से उबरकर आखिरी मैच जीतने का पूरा प्रयास करेगी। अर्जेंटीना के खिलाफ दूसरे दौर के आखिरी मैच में हारकर बाहर हुई भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में धीमी शुरुआत और 60 मिनट तक लय बरकरार नहीं रख पाने के लिए आलोचना झेल रही है। भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद बनाए रखने के लिए अर्जेंटीना को बड़े अंतर से हराना था, लेकिन 39वें सेकेंड में ही गोल गंवाने के बाद बने दबाव से टीम निकल ही नहीं सकी। डिफेंस लगातार चरमराता रहा और फॉरवर्ड पंक्ति में तालमेल का अभाव दिखा, जबकि मिडफील्ड में गैप का पूरा फायदा उठाकर अर्जेंटीना ने 5–3 से जीत दर्ज करके भारत को अंतिम चार की दौड़ से बाहर कर दिया था। भारत ने टूर्नामेंट में 14 गोल किए और 16 गंवाए। विश्व कप में सातवां स्थान हासिल करने के अलावा भारत को अगले महीने होने वाले एशियाई खेलों से पहले मजबूत प्रतिद्वंद्वी को हराकर अपना खोया आत्मविश्वास भी हासिल करना होगा। विश्व कप में निराशा के बाद अब जापान के आइची नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफाई करना ही पिछले दो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम का लक्ष्य होगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 6:15 बजे से शुरू होगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन का मानना है कि बेल्जियम के खिलाफ गलतियों की गुंजाइश नहीं होगी और उनकी टीम को सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा।

इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान: क्या लॉर्ड्स टेस्ट में वापसी करेंगे बाबर आजम?

लंदन,एजेंसी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला गुरुवार से लॉर्ड्स में शुरू होगा। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम चोट की वजह से पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे, लेकिन दूसरे टेस्ट उनके खेलने की संभावना है। हाथ की चोट से जूझ रहे बाबर आजम ने पिछले एक सप्ताह में फिट होने के लिए अच्छी ट्रेनिंग और कड़ी मेहनत की है और दूसरे टेस्ट में वापसी और टीम की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। पहले टेस्ट में सलमान अली आगा ने कप्तानी की थी। बाबर ने मैच से पहले कहा, मैंने कुछ अभ्यास सत्र किए हैं और लॉर्ड्स टेस्ट के लिए 90 प्रतिशत फिट हूं। जब भी आप पाकिस्तान टीम की कप्तानी करते हैं, खासकर इस मैदान पर, तो यह सम्मान की बात होती है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा। चाहे मैं कप्तान के तौर पर मैदान पर हूं या बल्लेबाजी कर रहा हूं, मैं बस अपना गेम खेलूंगा। बाबर आजम की वापसी अगर टीम में होती है, तो आउट ऑफ फॉर्म चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज अजान अवैस को बाहर किया जा सकता है। आजम ने अब्दुल्ला शफीक को उनकी पसंदीदा जगह नंबर 4 से हटाने से इनकार कर दिया। शफीक शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं और उनके बल्लेबाजी क्रम से छेड़छाड़ उनके और टीम के लिए नुकसानदायक हो सकता है। बाबर ने कहा, टीम में वापसी के बाद शफीक ने तीसरे और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की है। उन्हें वहां आत्मविश्वास है इसलिए वह वहीं खेलते रहेंगे। हमारे सीनियर बल्लेबाजों को और अधिक फोकस होकर खेलने की जरूरत है। पाकिस्तान कप्तान ने लॉर्ड्स टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करने और जीत दर्ज कर सीरीज 1–1 से बराबर करने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम पहले टेस्ट में अपने मुताबिक नहीं खेल पाए। इंग्लैंड जिस तरह से खेल रहा है, उसका श्रेय उन्हें जाता है। हमने अपनी गलतियों पर चर्चा की है। अब हम मैच का इंतजार कर रहे हैं। हमें खुद पर भरोसा है और हम अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे।

मुचोवा और मेंसिक ने जीता यूएस ओपन मिश्रित युगल का खिताब

न्यूयॉर्क,एजेंसी। कैरोलिना मुचोवा और याकुब मेंसिक ने बेलिंडा बेनसिच और फ्लावियो कोबोली को 6–3, 1–6, 10–6 से हराकर यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में मिश्रित युगल का खिताब जीत लिया। चेक गणराज्य की जोड़ी ने दो दिन की इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन दोनों मुकाबले मैच टाईब्रेक में जीते। मेंसिक की तेज सर्विस और नेट पर शानदार खेल ने इस जोड़ी की जीत में अहम भूमिका निभाई। मेंसिक ने ऐस के साथ फाइनल का अंत किया। इस जोड़ी को 10 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। सेमीफाइनल में भी मुचोवा और मेंसिक हार के करीब पहुंच गए थे लेकिन दो मैच प्वाइंट बचाने के बाद उन्होंने लगातार चार अंक जीतकर मीरा आंद्रीवा और आंद्रे रुबलेव को 5–4, 3–5, 11–9 से शिकस्त दी।

घोड़ा बीमारी के कारण पायरोप्लाजमोसिस टेस्ट में फेल, भारतीय घुड़सवार आहान पर लटकी तलवार

नई दिल्ली,एजेंसी। एशियाई खेलों से पहले भारतीय घुड़सवारी टीम मुश्किल में फंस गई है। एशियाई खेलों के दल में शामिल घुड़सवार आहान कुमार का घोड़ा इटली में अनिवार्य बीमारी के टेस्ट में फेल हो गया है। पायरोप्लाजमोसिस नाम के इस टेस्ट में फेल होने पर आहान का घोड़ा एशियाई खेलों में शिरकत नहीं कर सकता है जिसके चलते आहान के एशियाड में खेलने पर तलवार लटक गई है। भारतीय घुड़सवार इस वक्त एशियाई खेलों के लिए यूरोपी में तैयारियां कर रहे हैं। चार से 14 सितंबर आठ सदस्यीय भारतीय टीम को आखन (जर्मनी) में एकत्र होना है। यहां भारतीय दल के घोड़े कोरेंटाइन में भेजे जाएंगे। कोरेंटाइन से पहले आहान के घोड़े का फिर से पायरोप्लाजमोसिस टेस्ट होगा। इस बार भी टेस्ट में फेल होने पर यह तय हो जाएगा कि आहान एशियाई खेलों में शिरकत नहीं कर पाएंगे। हांगझोउ एशियाड में भारत ने ड्रेसाज का स्वर्ण जीता था। ओलंपिक और एशियाई खेलों से पहले घोड़ों का डोप टेस्ट भी होता है और उनका पायरोप्लाजमोसिस टेस्ट कराया जाता है। यह बीमारी टिक्स के जरिये घोड़ों में फैलती है और इससे तेज बुखार आता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि इसे ठीक होने में लंबा समय लगता है। यही कारण है कि आहान का एशियाड में खेलना मुश्किल है। अगर आहान नहीं खेलते हैं तो रिजर्व में शामिल घुड़सवार प्रदीप को शामिल किया जा सकता है, लेकिन बताया जाता है कि वह भी अपने घोड़े से लंबे समय से दूर हैं। एशियाड के लिए 12 सदस्यीय घुड़सवारी टीम घोषित की गई थी, लेकिन साई ने अपनी समीक्षा में चार सदस्यीय शो जंपिग टीम हटा दी। अब एशियाड में चार को इवेंटिंग में चार घुड़सवारों को ड्रेसाज में शिरकत करनी है। सूत्र बताते हैं कि आहान इटली में ही अपने घोड़े का फिर से टेस्ट कराने जा रहे हैं। भारतीय घुड़सवारी महासंघ की एडहॉक कमेटी के सदस्य संदीप दीवान अमर उजाला से स्वीकार करते हैं कि आहान का घोड़ा मंगलवार को टेस्ट में फेल हुआ है। अभी यह तय नहीं किया गया है कि रिजर्व घुड़सवार एशियाड में जाएगा या नहीं, लेकिन घोड़े को चार सितंबर से पहले हर हाल में निगेटिव आना होगा। उसके बाद ही रिजर्व घुड़सवार पर फैसला होगा।

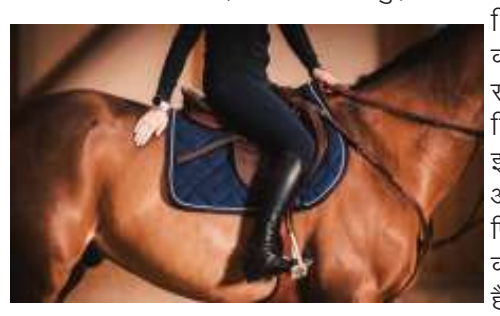

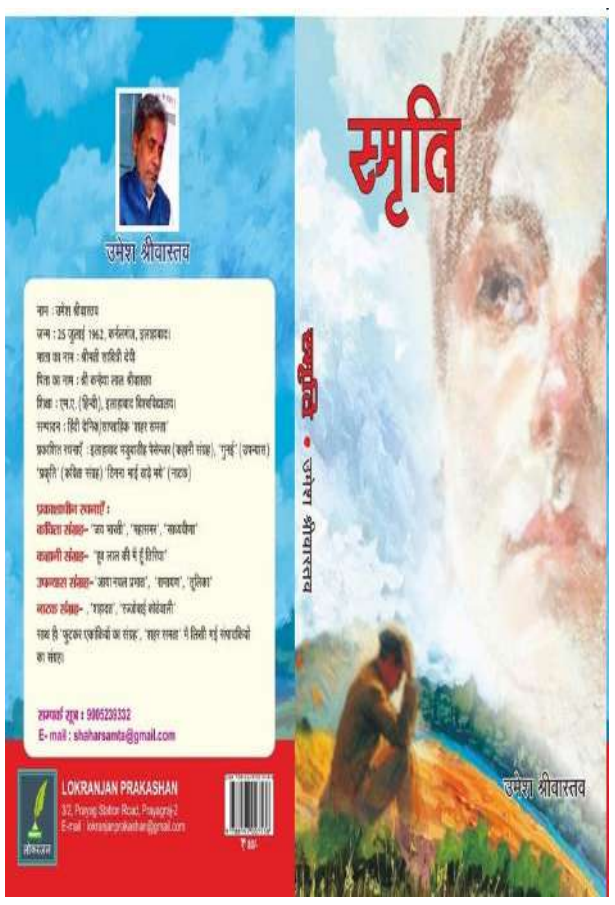

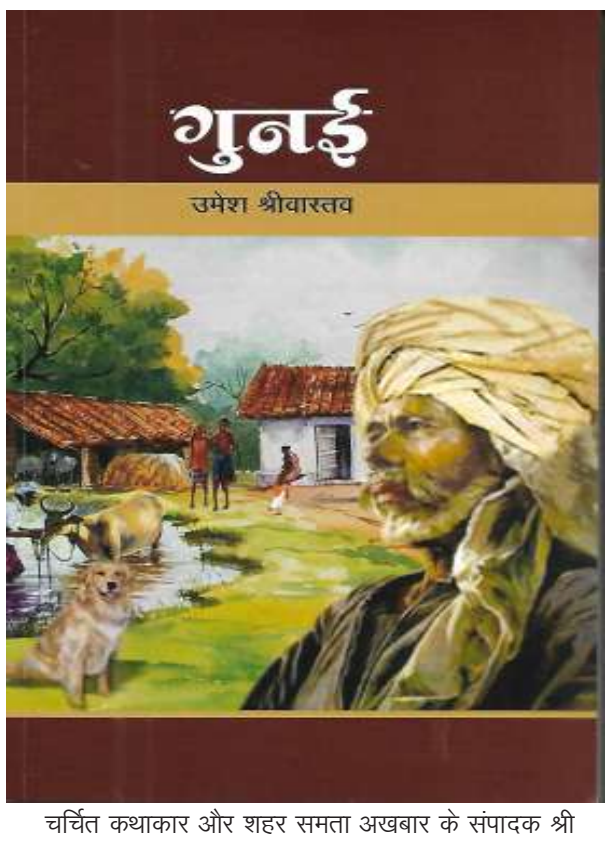

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

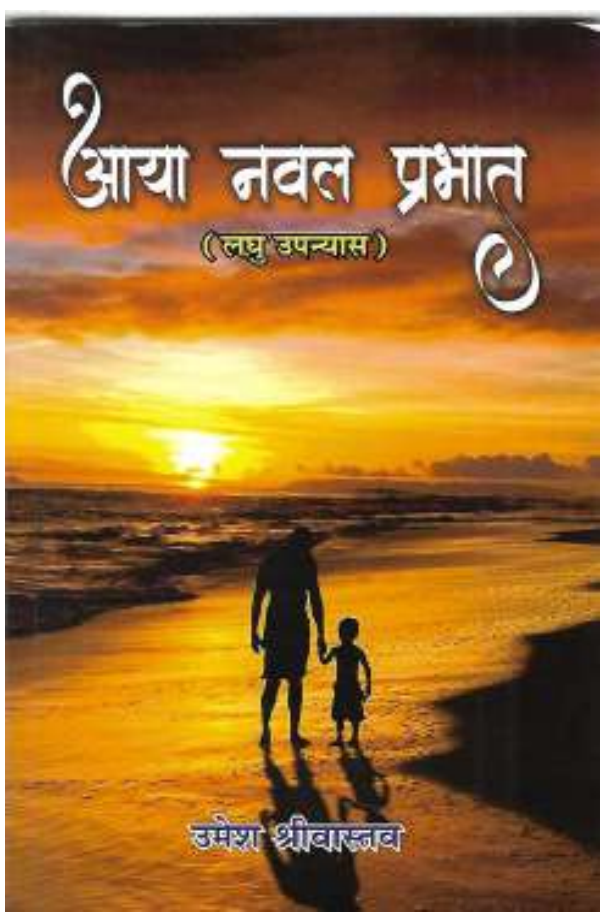

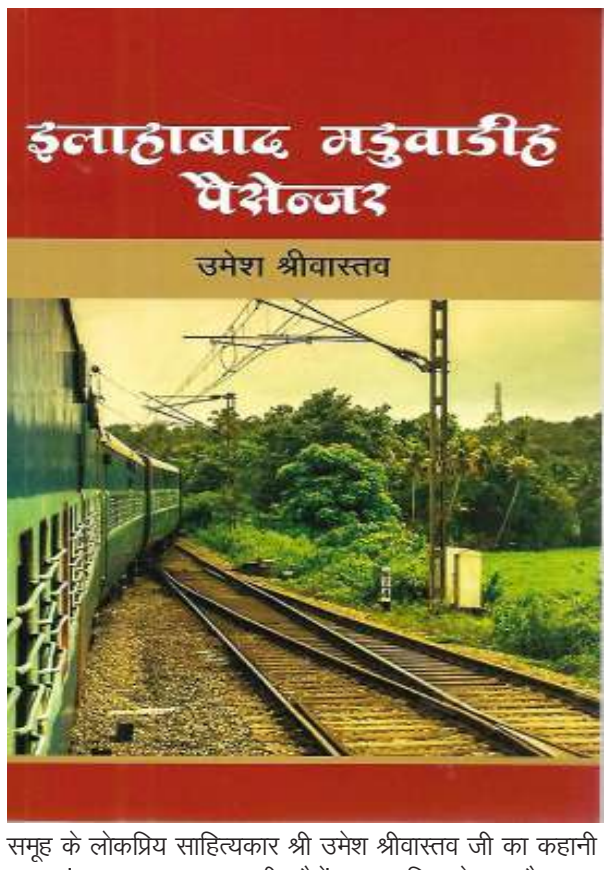

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

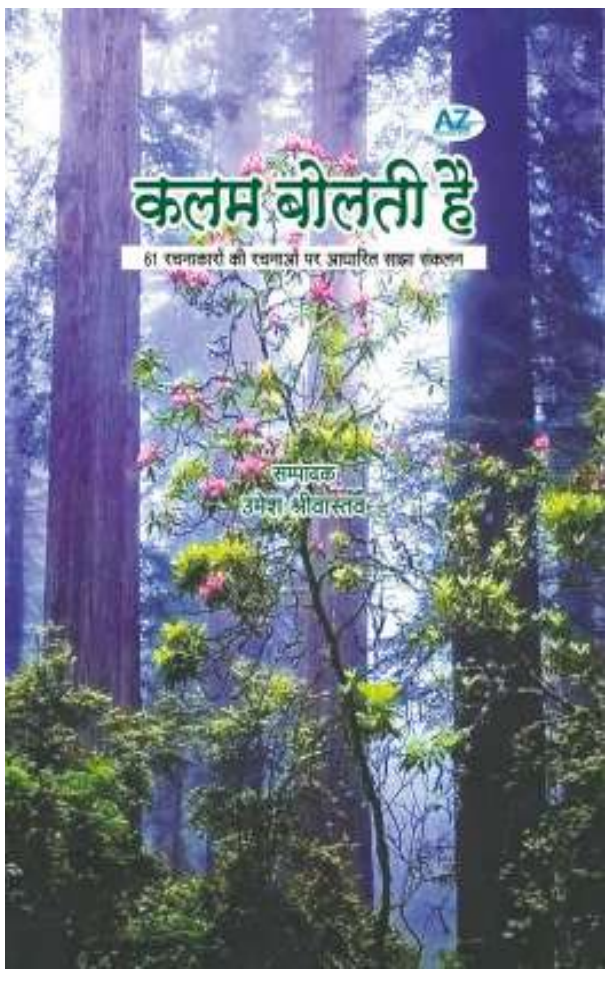

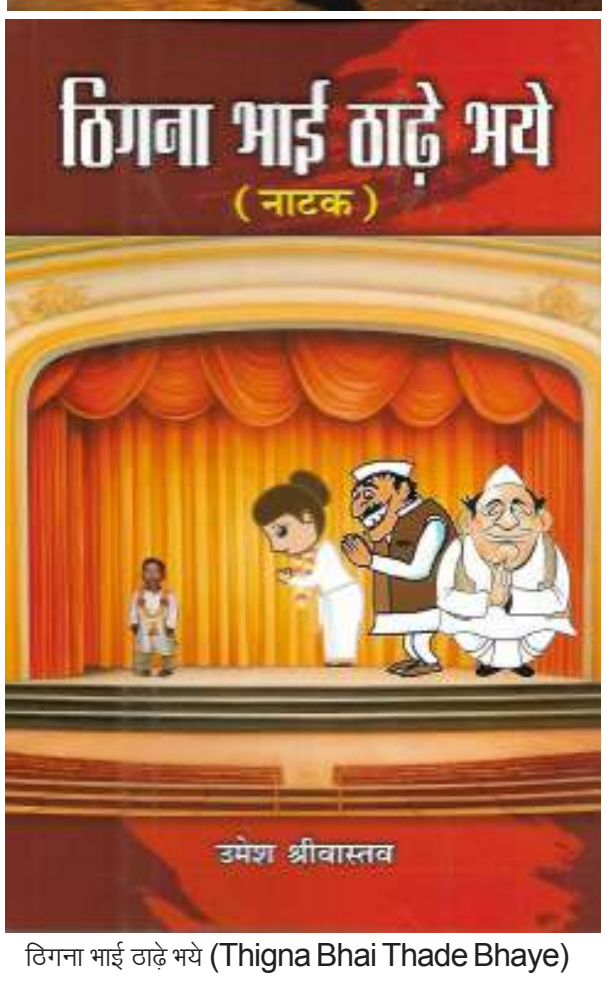

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अल्जीरिया के जंगलों में लगी भीषण आग: अब तक 12 लोगों की मौत, गृह मंत्री सयूद ने लिया रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा

एजेंसी/अल्जीरिया के पूर्वोत्तर हिस्से में भीषण जंगल की आग ने तबाही मचा दी है। प्रशासन के अनुसार, आग की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई। वहीं राष्ट्रपति अब्देलमजीद

तेब्बौने के निर्देश पर गृह मंत्री सईद सयूद ने गुरुवार को बेजाया और फिर जिजेल प्रांत का दौरा किया। घायलों को अस्पताल में देखने पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया। गृह मंत्री सईद सयूद ने क्या बताया? सिन्हुआ के अनुसार, अल्जीरिया के गृह मंत्री सईद सयूद ने बताया कि मृतकों में जिजेल प्रांत में पांच, बेजाया में चार और तिजी ओउजी में तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बेजाया के सौक एल थेनाइन शहर के एक अस्पताल का दौरा कर आग में झुलसे और धुएं से प्रभावित लोगों के इलाज का जायजा लिया। देशभर में कितने जगह लगी आग? अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार को देशभर में 159 जगहों पर आग लगने की घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें अकेले बेजाया प्रांत में 36 आग लगीं, जिनमें से 18 पर काबू पा लिया गया है। हालांकि बेजाया में अभी भी 18 स्थानों पर आग सक्रिय है। पड़ोसी जिजेल प्रांत की 12 नगरपालिकाओं में भी आग से निपटने के लिए अभियान जारी है। अल्जीरियाई अधिकारियों ने क्या बताया? अल्जीरियाई अधिकारियों ने बताया कि स्किक्दा, एल तारफ, बुइरा, तिजी ओउजी और तेबेस्सा प्रांतों में लगी आग को नियंत्रित कर लिया गया है। प्रभावित इलाकों से कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इन जंगल की आग के बीच अल्जीरिया और पड़ोसी ट्यूनीशिया में भीषण हीटवेव चल रही है। अधिकारियों के अनुसार, अत्यधिक तापमान ने आग के फैलने का खतरा बढ़ा दिया है। अल्जीरिया के भूमध्यसागरीय तटीय इलाकों में गर्मियों के दौरान जंगल की आग का खतरा अक्सर बढ़ जाता है। हाल के वर्षों में बढ़ती गर्मी, सूखे और तेज हवाओं ने इस जोखिम को और गंभीर बना दिया है। राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने के निर्देश पर, सयूद ने स्वास्थ्य मंत्री मोहम्मद सेद्दीक ऐत मेसाउडेन के साथ बेजाया और जिजेल का दौरा किया, ताकि आग बुझाने के प्रयासों की निगरानी की जा सके और घायलों का हाल–चाल जाना जा सके।

अमेरिकी सेना का प्लान: पांच ठिकानों पर लगेंगे परमाणु माइक्रोरिएक्टर, खर्च होंगे 2.2 अरब डॉलर, क्या है मकसद?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने बुधवार को बताया कि वह न्यूयॉर्क से टेक्सस तक पांच सैन्य ठिकानों पर परमाणु माइक्रोरिएक्टर लगाने की योजना बना रही है। इनसे भरोसेमंद बिजली मिलेगी। इसके लिए सेना को व्यावसायिक बिजली ग्रिड पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

यह घोषणा ऐसे समय हुई है, जब ट्रंप प्रशासन अमेरिका में परमाणु ऊर्जा का विस्तार करने पर जोर दे रहा है। इसका मकसद नई परमाणु तकनीक को बढ़ावा देना है। खासकर डाटा केंद्रों की बढ़ती बिजली जरूरत पूरी करने पर जोर है। इसके तहत बड़े परमाणु रिएक्टरों के लिए अरबों डॉलर के कर्ज दिए जा रहे हैं। उन्नत रिएक्टर डिजाइन और परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक पायलट कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। इसमें सैन्य और आम नागरिक दोनों क्षेत्रों के लिए काम किया जा रहा है। अमेरिका में अभी कोई भी परमाणु माइक्रोरिएक्टर व्यावसायिक बिजली ग्रिड को बिजली नहीं दे रहा है। सेना ने पांच कंपनियों को चुना है। इन्हें पांच साल में कुल 2.2 अरब डॉलर तक दिए जाएंगे। ये कंपनियां माइक्रोरिएक्टर की मालिक होंगी। इन्हें बनाएंगी और चलाएंगी। हालांकि, इसके लिए उन्हें तय किए गए प्रदर्शन मानकों को पूरा करना होगा। सेना को उम्मीद है कि 20 से ज्यादा परमाणु माइक्रोरिएक्टर बनाए और चलाए जाएंगे। उद्योग और सेना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि माइक्रोरिएक्टर सैन्य ठिकानों के लिए मजबूत बिजली स्रोत दे सकते हैं। अगर मुख्य बिजली ग्रिड बंद हो जाए, तब भी इनसे जरूरी ढांचे को बिजली मिल सकती है। इन रिएक्टरों को कई साल तक दोबारा ईंधन भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल ने कहा कि इन परियोजनाओं से सैन्य ठिकानों तक सुरक्षित और भरोसेमंद लगातार बिजली पहुंचाने की क्षमता तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सेना ऐसी ऊर्जा व्यवस्था बना रही है, जिससे दुनियाभर में सैन्य ताकत इस्तेमाल करने के लिए जरूरी ऊर्जा मिल सके। इसके लिए कमजोर पड़ सकने वाले बाहरी बिजली ग्रिड पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। ये अनुदान सेना के जेनस प्रोग्राम का हिस्सा हैं। यह कार्यक्रम पिछले साल अगली पीढ़ी की परमाणु ऊर्जा विकसित करने के लिए शुरू किया गया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

अमेरिका में शरिया कानून को ट्रंप की नारू कानून पर रोक का किया समर्थन, कहा- विचारधारा नहीं आम समझ पर भरोसा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे अमेरिका में शरिया कानून पर रोक लगाने वाले कानून का समर्थन करेंगे। उनका तर्क है कि देश में केवल एक ही कानूनी व्यवस्था होनी चाहिए। ट्रंप ने ये टिप्पणियां रूढ़िवादी प्रसारक ग्लेन बेक के साथ एक साक्षात्कार के दौरान कीं। जिन्होंने उनसे पूछा कि क्या वह उस कानून के लिए दबाव डालेंगे या उस पर हस्ताक्षर करेंगे जिसे बेक ने अमेरिका के लिए शरिया कानून विरोधी अधिनियम के रूप में कहा था। ट्रंप ने जवाब दिया, श्हां, मैं दो बातें कहूंगा। पहली बात, शरिया कानून के बारे में मैं साफ तौर पर कहूंगा कि यह इस देश के लिए नहीं

है। यहां कोई शरिया कानून नहीं होगा।श राष्ट्रपति ने दावा किया कि अमेरिका के कुछ हिस्सों में पहले से ही शरिया कानून का पालन किया जा रहा है। उन्होंने उन जगहों का नाम नहीं बताया और न ही अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत दिया। ट्रंप ने अमेरिकी कानूनी व्यवस्था के साथ–साथ इस्लामिक धार्मिक कानून को लागू करने का विरोध करते हुए यूरोप की राजधानियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, श्आप लंदन या पेरिस जाते हैं, तो यह लगभग जिंदगी जीने का एक दूसरा तरीका लगता है। यह अजीब बात है। राष्ट्रपति ने बेक से कहा कि वह इस पर रोक का समर्थन करेंगे। इसके साथ ही इस मुद्दे को राजनीतिक विचारधारा के बजाय आम समझ का मामला बताएंगे। ट्रंप ने कहा, श्मैं निश्चित रूप से इस मामले में आपके या कई अन्य लोगों के साथ खड़ा रहूंगा, क्योंकि मुझे लगता है कि हम, आप और मैं विचारधारा के बजाय आम समझ पर ज्यादा भरोसा करते हैं। उन्होंने आगे कहा, श्असल में अच्छी राजनीति का मतलब ही आम समझ है, लेकिन मैं शरिया कानून वाली बात पर निश्चित रूप से रोक लगाऊंगा। हमारे देश में भी यह थोड़ा–बहुत हो रहा है। शरिया कानून लागू होने पर क्या होगा? ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि वे नया संघीय कानून लाएंगे, कार्यकारी आदेश जारी करेंगे या कांग्रेस के किसी मौजूदा प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि इस तरह के प्रतिबंध का ढांचा कैसा होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि जहां भी शरिया कानून लागू होता दिखेगा, अधिकारी वहां कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, श्जहां भी हम इसे देखते हैं, हम इसे हटा देते हैं, आपको इसे हटाना ही होगा। हमारा एक ही सिस्टम है। हमारा सिस्टम बहुत बढ़िया है। कभी–कभी यह बहुत निराशाजनक होता है, लेकिन मेरी नजर में यह सबसे अच्छा सिस्टम है।श बेक का सवाल शरिया कानून को इस्लाम और डेमोक्रेटिक सोशलिस्टों के बीच श्रेड ग्रीन अलायंसश से जोड़ता था। उन्होंने ट्रंप से यह भी पूछा कि रिपब्लिकन उन युवा अमेरिकियों को क्या जवाब दे सकते हैं जो बढ़ती महंगाई को लेकर चिंतित हैं। ट्रंप ने महंगाई के मुद्दे पर बात की और बढ़ती कीमतों के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन को विरासत में बहुत ज्यादा महंगाई मिली थी। ट्रंप ने कहा, श्महंगाई की बात करें तो यह दिलचस्प है क्योंकि डेमोक्रेट्स ने ही महंगाई बढ़ाई थी। जब मैंने पद संभाला, तो हर चीज महंगी थी। मुझे विरासत में ऊंची कीमतें मिली थीं। मैं इसे दूसरे तरीके से कहूं तो हमने सच में उन्हें कम किया है।

नेपाल-चीन में 1500 के करीब लोग लापता: इनमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक शामिल, मृतकों का आंकड़ा 175 हुआ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल त्रासदी की भयावहता कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें नेपाल और चीन में 1500 के करीब लोग लापता हैं। जिनमें तिब्बत में 588 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। वहीं नेपाल सरकार ने कहा है कि उनके वहां 800 से ज्यादा लोग लापता हैं, जिनमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक शामिल हैं। नेपाल में 826, चीन में 588 लोग लापता नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कहना है कि अचानक आई बाढ़ के बाद 826 लोग संपर्क से बाहर हैं। इनमें 579 पर्यटक शामिल हैं। लापता लोगों में नेपाली सशस्त्र बलों के 85 जवान भी शामिल हैं। वहीं विभिन्न हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में काम कर रहे 162 स्टाफ सदस्यों के बारे में भी कुछ पता नहीं चल सका है। नेपाल सरकार ने कहा कि विदेशी नागरिकों सहित सैकड़ों लोगों

से संपर्क नहीं हो पा रहा है। बुधवार देर शाम जारी एक बयान में, प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि नेपाल सेना के 44 जवान, विभिन्न पुलिस चौकियों पर तैनात नेपाल पुलिस के 28 जवान और आपदा ग्रस्त क्षेत्र में तैनात 13 सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के जवानों से संपर्क नहीं हो पाया है। वहीं नेपाल विदेश मंत्रालय ने 300 से ज्यादा भारतीयों के लापता होने की पुष्टि की है। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने जताया दुख तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने नेपाल के रसुवा इलाके और तिब्बत के कीरोंग में आई विनाशकारी बाढ़ से हुई जनहानि पर दुख जताया है। गुरुवार को उन्होंने एक बयान जारी कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ने एक बयान में कहा, श्नेपाल के रसुवा क्षेत्र और तिब्बत के कीरोंग में विनाशकारी बाढ़ के बारे में जानकर मुझे दुख हुआ है। इस आपदा की वजह से कई लोगों ने जान गंवाई और भारी नुकसान हुआ। मैं उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना करता हूं जिन्होंने अपनी जान गंवाई है, और शोक संतप्त और इस त्रासदी पीड़ित सभी लोगों के प्रति अपनी सहानुभूति और हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। दलाई लामा ने कहा, श्मुझे उम्मीद है कि जहां भी संभव हो, उचित फॉलोअप उपाय किए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी आपदाएं दोबारा न हों।श तिब्बती क्षेत्र से होते हुए बाढ़ सीमा पार भोटेकोशी नदी पहुंच गई, और नेपाल में विनाश का निशान छोड़ गई।

भूकंप नहीं, ग्लेशियर टूटने से आई तबाही यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने एक बयान में साफ किया है कि नेपाल में आई तबाही का कारण भूकंप नहीं था। गौरतलब है कि पहले ऐसा कहा जा रहा था कि भूकंप के चलते तिब्बत में ग्लेशियर टूटा, जिससे नेपाल–चीन में अचानक बाढ़ आई। हालांकि अब यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने साफ कर दिया है कि भूकंप नहीं आया था। ग्लेशियर के टूटने से भूकंप जैसे झटके महसूस हुए। ग्लेशियर टूटने से जो भूकंपीय कंपन हुई, उसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.2 मापी गई है।

मेरिका में विमान हादसा: अलास्का में क्रैश हुआ प्लेन, तटी, कस्बे के पास पानी में गिरा, हादसे में चार की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के अलास्का में बुधवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर समुद्र के उथले पानी में जा गिरा। इस हादसे में विमान में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। हादसा अलास्का के एक दूरदराज के तटीय कस्बे के पास हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, ब्यचमत च्‌–24 विमान अलास्का के सबसे बड़े शहर एंकोरेज से उड़ान भरकर छोटे कस्बे सेल्डोविया के एयरपोर्ट की ओर जा रहा था। सेल्डोविया का एयरपोर्ट

एंकोरेज से करीब 219 किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम में स्थित है। करीब 15 फीट गहरे पानी में डूबा विमान दुर्घटना के बाद विमान सेल्डोविया स्लो में किनारे के पास करीब 15 फीट (लगभग 4.5 मीटर) गहरे पानी में डूब गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (छज्ैठ) के अलास्का क्षेत्र के प्रमुख क्लिंट जॉनसन ने बताया कि विमान तक पहुंचने के लिए अधिकारियों को ज्वार का पानी उतरने का इंतजार करना पड़ा। पानी कम होने के बाद बचाव दल विमान तक पहुंचा और उसमें सवार चारों वयस्कों के शव बाहर निकाले। शवों को मेडिकल एग्जामिनर के कार्यालय भेज दिया गया है। अधिकारियों ने मृतकों की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की है। उनके नाम परिजनों को सूचना दिए जाने के बाद जारी किए जाएंगे। हादसे की वजह अभी साफ नहीं

अमेरिका का नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (छज्ैठ) इस दुर्घटना की जांच कर रहा है। अलास्का के सीनेटर डैन सुलिवन ने कहा कि उन्हें छज्ैठ और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (थ्।।) से इस हादसे के बारे में जानकारी दी जाएगी। सुलिवन ने कहा कि इस तरह की घटनाएं बेहद दुखद हैं और अलास्का में विमानन सुरक्षा तथा उससे जुड़े बुनियादी ढांचे को बेहतर करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। एक हफ्ते से भी कम समय में दूसरा बड़ा विमान हादसा अलास्का में यह घटना ऐसे समय हुई है, जब एक सप्ताह से भी कम समय पहले एक अन्य विमान हादसे में आठ लोगों की मौत हुई थी। वह विमान पश्चिमी अलास्का में स्थित एक दूरदराज के सैन्य स्थल पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। अधिकारियों के अनुसार, उस विमान ने खराब मौसम और घने कोहरे के बीच रनवे पर उतरने की दूसरी कोशिश की थी। पायलटों को कोहरे के कारण कच्चे रनवे को दिखाई नहीं दिया और विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। लगातार हुए इन हादसों के बाद अलास्का में दूरदराज के इलाकों में विमान संचालन और विमानन सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। सेल्डोविया के पास हुए ताजा हादसे की असली वजह छज्ैठ की जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगी।

यूएस: अमेरिका लौटते समय थाईलैंड में क्यों रुकेगा युद्ध पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन? पश्चिम एशिया में था तैनात

वॉशिंगटन, एजेंसी। थाई अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि अमेरिका का शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पश्चिम

एशिया में अपनी मुश्किल तैनाती के बाद कुछ दिन थाईलैंड में रुकेगा। यूएसएस मिडिल ईस्ट में अपनी मुश्किल तैनाती के बाद थाईलैंड में रुकेगा। यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अमेरिकी युद्ध में मदद कर रहा था, और इसकी तैनाती के दौरान इसने समुद्र में लगातार 250 दिनों से ज्यादा समय बिताया, जो एक रिकॉर्ड है। क्रू की बिगड़ती मानसिक सेहत और खाने–पीने व साफ–सफाई के सामान जैसी जरूरी चीजों की कमी की खबरों के बाद लिंकन की लंबी तैनाती को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। थाईलैंड के रक्षा मंत्रालय ने जारी किया बयान

थाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुरसंत कोंगसिरी ने कहा कि लिंकन अगले हफ्ते अपने अमेरिकी बेस पर लौटने से पहले आराम और रिकवरी के लिए थाईलैंड में रुकेगा। बैंकॉक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पत्रकारों से कहा, श्थाईलैंड में रुकना क्रू के लिए जमीन पर उतरने और आराम करने का एक मौका है।श मंगलवार को रॉयल थाई नेवी ने कहा कि अमेरिकी नेवी के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के तीन जहाज पूर्वी थाईलैंड में रुकेंगे और इस यात्रा के दौरान कोई सैन्य अभ्यास नहीं किया जाएगा। लंबे समय तक तैनाती का जवानों पर पड़ा असर कैरियर की लंबी तैनाती से लंबे समय तक घर से दूर रहने वाले जवानों पर असर पड़ता है और जहाज व उसके उपकरणों पर भी दबाव बढ़ता है। हालांकि हाल के हफ्तों में अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुई तनातनी कुछ कम हुई है, लेकिन नेवी होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी बंदरगाहों पर फिर से लगाए गए नाकेबंदी को लागू कर रही है, और ट्रंप प्रशासन ने इस बात पर कुछ नहीं कहा है कि वह इस संघर्ष को कैसे खत्म करना चाहता है। अमेरिकी सैन्य अधिकारी बोले– ये हमारे सीखने का दौर भी रहा

लिंकन के बारे में बात करते हुए अमेरिकी नौसेना के एडमिरल डेरिल कॉडल ने कहा कि मुद्दा पर्याप्त प्रोटीन या सब्जियों का नहीं था, बल्कि साफ–सफाई के सामान, एनर्जी ड्रिंक्स और सोडा जैसी चीजों का था जिनकी उम्मीद नाविक जहाज पर लंबी तैनाती के दौरान करते हैं। उन्होंने कहा कि पुर्जों, भोजन और आरामदायक चीजों की सप्लाई चेन अलग–अलग होती हैं और हमें उन सभी को ठीक से व्यवस्थित करना था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि श्हमारी आपूर्ति प्रक्रिया में कुछ सीखने का दौर भी था। बैंकॉक में अमेरिकी दूतावास ने थाईलैंड में लिंकन के रुकने के बारे में टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया, और अमेरिकी नौसेना ने भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

9/11 आतंकी हमला: मास्टरमाइंड के खिलाफ अमेरिका में कब से चलेगा मुकदमा? क्यूबा जेल में बंद है खालिद शेख मोहम्मद

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक अमेरिकी मिलिट्री जज ने 9 सितंबर 2001 के आतंकी हमले के मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद और तीन अन्य लोगों के खिलाफ ट्रायल के लिए जून 2028 की तारीख तय की है। इन लोगों पर अमेरिका के खिलाफ सबसे बड़े आतंकी हमले की साजिश रचने का आरोप है। ट्रायल 5 जून, 2028 को शुरू होना है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।